मार्गशीर्ष कृष्ण - 10 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 132 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 07-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आंबेडकर का अपमान करने वालों के बारे में गांव-गांव जाकर बताना होगा : योगी

6 बौखलाहट है हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना

7 फिल्म 'जिगरा' में जोरदार एक्शन करती नजर आयेंगी आलिया भट्ट

फर्स्ट टेक

पुतिन ने सऊदी अरब और यूएई की यात्रा शुरू की

दुबई/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा शुरू की। पुतिन की इस यात्रा का उद्देश्य यूक्रेन में उनके देश के युद्ध के मद्देनजर दो प्रमुख तेल उत्पादक देशों सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से समर्थन जुटाना है जिनका झुकाव अमेरिका की ओर माना जाता है। पुतिन अमीरात की राजधानी अबू धाबी पहुंचे। दुबई संयुक्त राष्ट्र की सीओपी28 जलवायु वार्ता की मेजबानी कर रहा है। पुतिन यूक्रेन पर युद्ध के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद बुधवार को सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा कर रहे हैं।

ईरान ने एक 'कैप्सूल' में जानवरों को अंतरिक्ष की कक्षा में भेजा

तेहरान/एपी। ईरान ने बुधवार को कहा कि उसने आने वाले वर्षों में मानव मिशन की तैयारी के तहत एक 'कैप्सूल' में जानवरों को अंतरिक्ष की कक्षा में भेजा। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने दूरसंचार मंत्री ईसा जारेपुर के हवाले से कहा कि कैप्सूल को कक्षा में 130 किलोमीटर प्रक्षेपित किया गया। जारेपुर ने कहा कि 500 किलोग्राम वजनी कैप्सूल के प्रक्षेपण का उद्देश्य आने वाले वर्षों में ईरानी अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना है। उन्होंने यह नहीं बताया कि कैप्सूल में किस तरह के जानवर थे। ईरान उपग्रहों और अन्य अंतरिक्ष यान के सफल प्रक्षेपण की घोषणा करता रहता है। सितंबर में, ईरान ने कहा कि उसने आंकड़े एकत्र करने वाला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा है। ईरान ने 2013 में कहा कि उसने एक बंदर को अंतरिक्ष में भेजा और उसे सफलतापूर्वक धरती पर वापस भी लेकर आया गया।

गुजरात का गरबा नृत्य यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने बुधवार को कहा कि राज्य के लोकप्रिय गरबा नृत्य को यूनेस्को ने 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) की प्रतिनिधि सूची' में शामिल किया है। भारत ने नवरात्रि उत्सव के दौरान पूरे गुजरात और देश के कई अन्य हिस्सों में आयोजित होने वाले गरबा को सूची में शामिल करने के लिए नामांकित किया था। पटेल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''गरबा के रूप में देवी मां की भक्ति की सदियों पुरानी परंपरा जीवित है और बढ़ रही है। गुजरात की पहचान बन चुके गरबा को यूनेस्को ने अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची के तहत मंजूरी दी है।''

07-12-2023 सूर्यास्त 5:52 बजे | 08-12-2023 सूर्योदय 6:29 बजे

BSE	NSE
69,653.73 (+357.59)	20,855.10 (+168.30)

सोना	चांदी
6,565 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	79,730 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

इतिहास की अहमियत

सच्चा इतिहास,
सच की तस्वीर होता है।
पुरखों का गौरव,
कीमती जागीर होता है।
पीढ़ियों के लिए,
अद्भुत नजीर होता है।
झुठलाओ मत इसे,
वर्ना ये जंजीर होता है।।

भाषाओं के मामले में भारत विश्व में सबसे समृद्ध : कोविन्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भाषाओं के मामले में भारत दुनिया में सबसे समृद्ध देश है। यह कहना है देश के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए कोविन्द ने बच्चों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा, 'इतनी बड़ी संख्या में भारतीय भाषा के मेधावी छात्रों और भाषा शिक्षकों को देखकर मुझे अत्यंत गौरव की अनुभूति हो रही है। इतना विराट, विशाल वैभवशाली भारत आज मेरे सामने हैं। सचमुच, मुझे यह मिनी भारत का जीता-जागता उदाहरण लग रहा हैं। इस विहंगम दृश्य को देखकर कौन मुग्ध और मोहित नहीं होगा। मुझे इसे बात की प्रसन्नता है कि आज माली और फूल एक साथ बैठे हैं। शिक्षक के रूप में आप सभी गुरुजन माली और शिष्यों के रूप में उपस्थित सभी छात्र फूल हैं। मैं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी द्वारा देश के भविष्य और देश के भविष्य के निर्माताओं को उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु भारतीय भाषा उत्सव आयोजित करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। हमारा भारत विविधताओं से भरा देश हैं। भौगोलिक, सांकृतिक, खान-पान, रहन-सहन, आस्था, मान्यताओं की विविधताओं के साथ-साथ भाषाओं के मामले में भारत विश्व में सबसे धनी है।' उन्होंने कहा कि हमारे व्यक्तित्व के निर्माण में भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

पन्नू ने दी संसद पर हमले की धमकी

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका में मौजूद खालिस्तानी समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से 13 दिसंबर को संसद हमले की बरसी पर ''संसद की नींव को हिला देने'' की धमकी वाला एक वीडियो संदेश जारी होने के बाद दिल्ली पुलिस सतर्क है। शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर 2001 को संसद पर आतंकवादी हमला हुआ था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि संसद और उसके आसपास के इलाकों की सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा, 'किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।' अधिकारी ने कहा, ''संसद का सत्र जारी रहने पर हम सतर्क रहते हैं। हम किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

राज्यसभा में उठी

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किरोड़ी लाल मीणा ने गाय को देश का राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करते हुए बुधवार को राज्यसभा में कहा कि यह मुद्दा राष्ट्र की आर्थिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा है।

मीणा ने सदन में शून्यकाल के दौरान सदन में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि भारत के लिये गाय का बहुत महत्व है। यह समाज की आर्थिक एवं आध्यात्मिक चेतना का आधार है। उन्होंने कहा कि गाय का मांस खाना किसी का भी मौलिक अधिकार नहीं हो सकता। कई मुगल शासकों ने भी गाय को पवित्र पशु मानते हुए इसके वध पर प्रतिबंध लगाया था। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गाय का बहुत महत्व है। इसके गोबर- मूत्र से खाद बनायी जाती है जो कृषि के लिए उत्तम मानी जाती है।

भाजपा के कैलाश सोनी ने जंगली चूहों के आतंक का मामला उठाया और इन्हें मारने की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इनसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को क्षति पहुंच रही है। सरकार को जंगली चूहों को मारने के लिए अनुदान जारी करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की कांता कर्दम ने उत्तर प्रदेश के हापुड़ में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की।

केंद्र सरकार ने संगठित अवैध निवेश से जुड़ी 100 से अधिक वेबसाइट बंद की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने संगठित अवैध निवेश और अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को बंद कर दिया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे और इसमें ज्यादातर सेवानिवृत्त कर्मचारियों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को अंशकालिक नौकरी देने की आड़ में निशाना बनाया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक इकाई 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (14सी) ने अपनी 'राष्ट्रीय साइबर अपराध जोखिम विश्लेषण इकाई' (एनसीटीएयू) के जरिए पिछले साल संगठित निवेश और कार्य आधारित अंशकालिक नौकरी (टास्क बेस्ड पार्ट टाइम जॉब) के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली वेबसाइट्स की पहचान की थी और उन्हें बंद किए जाने की सिफारिश की थी।

बयान में कहा गया है कि इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 के तहत अपने अधिकार का इस्तेमाल कर इन वेबसाइट्स को बंद कर दिया है।

ऐसी जानकारी मिली है कि आर्थिक अपराध से संबंधित कार्य आधारित संगठित अवैध निवेश से जुड़ी इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे और ये डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर और फर्जी खातों का इस्तेमाल कर रहे थे।

कमजोर हुआ चक्रवात ''मिगजॉम''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। चक्रवाती तूफान ''मिगजॉम'' के कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने के कारण ओडिशा के दक्षिणी इलाकों में बुधवार को मध्यम बारिश हुई।

अधिकारियों ने बताया कि गजपति जिला प्रशासन ने भारी बारिश के कारण जिले के सभी स्कूल बंद करने की घोषणा की है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि चक्रवाती तूफान ''मिगजॉम'' कमजोर पड़ गया है। यह बुधवार सुबह साढ़े पांच बजे खम्मम से लगभग 50 किमी पूर्व-उत्तरपूर्व, गन्नावरम (विजयवाड़ा) से 110 किमी उत्तर-उत्तरपश्चिम और जगदलपुर से 250 किमी दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था।

राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि चक्रवात के उत्तर की ओर बढ़ने और अगले छह घंटों के दौरान कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो कर और अधिक कमजोर पड़ने की संभावना है। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) कार्यालय ने कहा कि ओडिशा के लिए अब चक्रवात को लेकर कोई खतरा नहीं है। हालांकि, चक्रवात के प्रभाव की वजह से गंजम, गजपति, कालाहांडी, कंधमाल और नबरंगपुर जिलों में व्यापक बारिश की संभावना है। इसमें कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में राज्य में औसत वर्षा 6.5 मिमी दर्ज की गई, जबकि कोरापुट जिले के पोट्टांगी ब्लॉक में सबसे अधिक 106.0 मिमी बारिश हुई।

आईएमडी के अनुसार, गंजम, गजपति, नबरंगपुर, कालाहांडी, कंधमाल, कोरापुट, मलकानगिरी और रायगढ़ जिलों में बृहस्पतिवार को सुबह तक भारी बारिश जारी रहेगी।

मेरी संवेदनाएं मिचौंग में प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथः मोदी

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी संवेदनाएं उन लोगों के साथ है जिन्होंने इस प्राकृतिक आपदा में अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में चक्रवात से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना भी की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी प्रार्थना घायल या प्रभावित लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रभावित लोगों की सहायता के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक वे अपना काम जारी रखेंगे।

उत्तर-दक्षिण के आधार पर नहीं बांटें भारत को : पीयूष गोयल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा लोगों को एकजुट करते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को विपक्षी दलों से देश को उत्तर और दक्षिण भारत के आधार पर नहीं बांटने को कहा। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद की हिंदी भाषी राज्यों के खिलाफ टिप्पणी का समर्थन करते हैं? लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान अपने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय से संबंधित एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' का विचार लेकर आए हैं, ताकि पूरे देश को सब्सिडी वाला खाद्यान्न प्राप्त करने की एकल पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से एकजुट किया जा सके। उन्होंने विपक्ष पर तीखे हमले करते हुए कहा, ''हम यह नहीं पता करते कि कौन कहां से कहां 'माइग्रेट' करता है। अब किसी राशन कार्ड को जेब में लेकर घूमने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अब अंगूठा ही राशन कार्ड है। व्यक्ति देश में कहीं भी जाएगा उसे राशन मिलेगा।''

कुछ विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों के बीच उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री हमेशा लोगों को एकजुट करने के लिए काम करते हैं। लेकिन विपक्ष देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहा है। उनमें से कुछ ने उत्तर और दक्षिण भारत के बारे में भी बात की। कृपया देश को विभाजित करना बंद करें।''

आपत्तियों पर सख्त रुख दिखाते हुए मंत्री ने पलटवार करते हुए पूछा, क्या आप कल इस सदन में दिए गए एक सदस्य के बयान का समर्थन करते हैं? क्या 'इंडिया' गठबंधन के सदस्य उस सांसद के बयान का समर्थन करते हैं?''

हालांकि, गोयल ने विवादास्पद टिप्पणी करने वाले द्रमुक सदस्य डी एन वी सेंथिल कुमार का नाम नहीं लिया।

गोयल ने कहा कि देश में 81.35 करोड़ लोगों को अब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''यह योजना कम आय वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषण के तहत पूरे भारत में लागू की गई है।''

निशिकांत दुबे ने एनआरसी लागू करने की मांग उठाई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को झारखंड के कुछ इलाकों में जनसंख्या का संतुलन बिगड़ने का दावा किया और सरकार से आग्रह किया कि राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू की जाए ताकि बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर किया जा सके। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। दुबे ने कहा, ''बांग्लादेशी घुसपैठिये आते हैं और आदिवासी महिलाओं से शादी करते हैं। वहां उनकी आबादी लगातार बढ़ रही है।

जाति, धर्म, क्षेत्र के नाम पर भारत को बाँटना कांग्रेस के स्वभाव में: अनुराग

नई दिल्ली/शिमला/वार्ता। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा व खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने अहंकारी 'इंडिया' अलायंस के बयानों तथा गतिविधियों को विभाजनकारी बताते हुए इसे देश के लोगों के बीच अविश्वास पैदा करने एवं भारत को तोड़ने की कोशिश में लिप्त बताया है।

ठाकुर ने मीडियाकर्मियों से कहा,''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार वसुधैव कुटुंबकम की सोच को पूरी दुनिया में फैला रहे हैं। भारत ने वैश्विक महामारी के समय भी पूरी दुनिया में वैक्सीन मैत्री के माध्यम से मदद फैलाई। पिछले नौ वर्षों में हमारी सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास रहा है। विपक्ष मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी करारी हार के बाद गाली-गलौज पर उतर आया है। अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने से भी आगे बढ़कर अब यह लोग भारत को सुनियोजित ढंग से खंडित करने की योजना पर आगे बढ़ गए हैं।''

देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने पूछा,''कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ऐसी क्या मजबूरी है की उनके लिए देश को बांटना जरूरी है। उनके लिए क्यों सनातन का अपमान जरूरी है।

द्रमुक सांसद सेंथिल कुमार ने विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में खेद जताया

नई दिल्ली/भाषा। द्रमुक सांसद डीएनवी सेंथिल कुमार ने अपनी एक विवादित टिप्पणी के लिए बुधवार को लोकसभा में खेद जताया और अपने बयान को वापस लेने की घोषणा की। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान कहा, ''मेरे द्वारा कल दिए गए बयान से सदस्यों और जनता के किसी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उस बयान को वापस लेता हूं। मैं आग्रह करता हूं कि उसे कार्यवाही से हटाया जाए। मैं खेद जताता हूं।''

पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने कहा, '' बयान को पहले ही कार्यवाही से हटा दिया गया है और आपने खेद जता दिया है, मामला खत्म हो गया।''

इससे पहले सदन में द्रमुक के नेता टी आर बालू ने कहा कि पार्टी सांसद सेंथिल कुमार ने कल जो बयान दिया था, वह सही नहीं था और पार्टी नेता तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस बयान को गंभीरता से लिया है और सांसद को चेतावनी भी दी है। सेंथिल कुमार ने मंगलवार को सदन में जम्मू कश्मीर से संबंधित विधेयकों पर चर्चा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए हिंदी भाषी राज्यों के लिए अपमानजनक टिप्पणी की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने बयान के लिए माफी मांग ली थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा

नेहरू के समय दो 'ब्लंडर' हुए थे जिनका खामियाजा कश्मीर को वर्षों तक उठाना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान हुए दो 'बड़े ब्लंडर' (गलतियों) का खामियाजा जम्मू-कश्मीर को वर्षों तक भुगतना पड़ा।

जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए उनका कहना था कि नेहरू की ये दो गलतियां 1947 में आजादी के कुछ समय बाद पाकिस्तान के साथ युद्ध के समय संघर्ष विराम करना और जम्मू-कश्मीर के मामले को संयुक्त राष्ट्र ले जाने की थी।

गृह मंत्री ने कहा कि अगर संघर्ष विराम नहीं हुआ होता तो पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) अस्तित्व में नहीं आता।

नेहरू के संदर्भ में शाह की टिप्पणियों का विरोध करते हुए कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया।

अमित शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2024 में एक बार फिर प्रधानमंत्री बनेंगे और 2026 तक जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा हो जाएगा।

गृह मंत्री के जवाब के बाद इन दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई।

शाह ने जम्मू-कश्मीर के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा, ''दो बड़ी गलतियां नेहरू के कार्यकाल में हुईं। नेहरू के समय में जो गलतियां हुई थीं, उसका खामियाजा वर्षों तक कश्मीर को उठाना पड़ा। पहली और सबसे बड़ी गलती वह थी जब जब हमारी सेना जीत रही थी, पंजाब का क्षेत्र आते ही संघर्ष विराम कर दिया गया और पीओके का जन्म हुआ। अगर संघर्ष विराम तीन दिन बाद होता तो आज पीओके भारत का हिस्सा होता।''

उनका कहना था कि दूसरा 'ब्लंडर' संयुक्त राष्ट्र में भारत के आंतरिक मसले को ले जाने का था।

शाह ने कहा, ''मेरा मानना है कि इस मामले को संयुक्त राष्ट्र में नहीं ले जाना चाहिए था, लेकिन अगर ले जाना था तो संयुक्त राष्ट्र के चार्टर 51 के तहत ले जाना चाहिए था, लेकिन चार्टर 35 के तहत ले जाया गया।''

छत्तीसगढ़: नवनिर्वाचित 17 विधायकों के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ की नवनिर्वाचित विधानसभा के 90 विधायकों में से 17 ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जिनमें से छह के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 54 सीट जीतकर सरकार बना रही है। राज्य में 2018 में 68 सीट जीतने वाली कांग्रेस 35 सीट पर सिमट गई है तथा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) पहली बार एक सीट पर जीत हासिल कर पाई है।

पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के नेतृत्व वाली जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) इस बार अपना खाता खोलने में विफल रहीं। छत्तीसगढ़ 'इलेक्शन वॉच' और 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 90 नवनिर्वाचित विधायकों में से 17 (19 फीसदी) विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामे में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। रिपोर्ट कहा गया कि उनमें से छह (सात फीसदी) विधायकों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे।

'सरकार लिथियम-आयन बैटरी के निस्तारण से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट को गंभीरता से लेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार लिथियम-आयन बैटरी के निस्तारण के पर्यावरण पर दुष्प्रभावों के बारे में किसी भी रिपोर्ट को गंभीरता से लेगी और वह विभिन्न अपशिष्ट पदार्थों के पुनर्चक्रण को बढ़ावा दे रही है।

गडकरी उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब दे रहे थे। कांग्रेस सदस्य रंजीत रंजन ने लिथियम-आयन बैटरी की विनिर्माण इकाइयों में श्रमिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का मुद्दा उठाया था।

कांग्रेस सदस्य ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रयुक्त बैटरियों की उपयोगिता खत्म होने के बाद उनके निस्तारण की प्रक्रिया से भी पर्यावरण पर असर पड़ता है और पृथ्वी जहरीली हो जाती है वहीं मिट्टी की उर्वरता भी खराब हो जाती है। इसके जवाब में गडकरी ने कहा, हमारे पास ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है। अगर इस तरह की कोई भी बात हमारे सामने आती है तो हम इस पर विचार करेंगे। हम इस मुद्दे को गंभीरता से लेंगे और लिथियम-आयन बैटरी कबाड़ के पुनर्चक्रण पर काम करेंगे। उन्होंने कहा, '' यह भविष्य की तकनीक है। हमारी सरकार भविष्य की तकनीक, दृष्टिकोण और योजना के साथ इस दिशा में काम कर रही है।'' गडकरी ने कहा कि भारत अगले पांच साल में इलेक्ट्रिक कारों, बसों, ट्रकों का निर्यात करने वाला प्रमुख देश बन जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने पर्यावरण की रक्षा के लिए सड़क निर्माण में नगरों के ठोस कचरे का उपयोग किया है। गडकरी ने कहा, हमारा देश हर साल 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का जीवाश्म ईंधन आयात करता है और दिल्लीवासियों को यह बताने की जरूरत नहीं है कि यहां प्रदूषण का स्तर क्या है। उन्होंने बताया कि जहां पेट्रोल वाहनों को चलाने की लागत 100 से 110 रुपये है, वहीं इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत केवल 10 रुपये है। उन्होंने कहा कि लिथियम-आयन बैटरी की लागत पहले 150 अमेरिकी डॉलर थी जो अब घटकर 115 डॉलर हो गई है। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में पेट्रोल या डीजल वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन की लागत अधिक है। उन्होंने कहा, इलेक्ट्रिक वाहन लोकप्रिय हैं। एकमात्र समस्या यह है कि पेट्रोल व डीजल वाहन और ई-वाहन के बीच लागत का अंतर ... ई-वाहन की लागत अधिक है और यह संख्या पर निर्भर करता है। जब संख्या बढ़ेगी, तो मेरा अनुमान है कि डेढ़ साल के अंदर पेट्रोल, डीजल और ई-वाहनों की कीमत एक समान हो जाएगी।'

चक्रवात 'मिगजॉम': सीएम जगन मोहन रेड्डी ने सहानुभूतिपूर्वक राहत कार्य करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में सहानुभूतिपूर्वक काम करने का बुधवार को निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने राहत उपायों पर अपने शिविर कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान दिशानिर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा साझा किए गए एक बयान में रेड्डी ने कहा, ''चक्रवात अब कमजोर पड़ गया है और सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूति रखें और उनकी जरूरतों पर काम करें।'' उन्होंने राहत शिविरों से अपने घर लौटने वाले लोगों को सहायता के साथ-साथ राशन भी उपलब्ध कराने का अधिकारियों को निर्देश दिया।

रेड्डी ने कहा कि किसानों को 80 प्रतिशत सब्सिडी पर बीज की आपूर्ति की जानी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित स्थानों पर बिजली आपूर्ति युद्ध स्तर पर बहाल करने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और परिवहन सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाने का निर्देश भी दिया।

इसी तरह, रेड्डी ने अधिकारियों को स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने और बीमारियों के प्रसार से बचने का भी निर्देश दिया।

रेड्डी ने कडप्पा के एक पुलिस कांस्टेबल के परिजनों को 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की, जिसने राहत कार्य के दौरान एक पेड़ गिरने से अपनी जान गंवा दी थी।

adani

ऊर्जा बदलाव पहल पर 2030 तक 75 अरब डॉलर का निवेश करेगा अडाणी समूह

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की योजना 2030 तक समूह की ऊर्जा बदलाव पहल पर 75 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की है। समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अडाणी ने बुधवार को बयान में कहा कि इस निवेश से 2030 तक 45 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के समूह के दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा।

समूह के चेयरमैन ने कहा, '' हम बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा, स्वदेशी पूर्णतः एकीकृत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र और हरित हाइड्रोजन समाधान विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी ऊर्जा बदलाव पहल पर 2030 तक 75 अरब डॉलर का कुल निवेश 2030 तक 45 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के हमारे दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। यह भारत को कॉर्बन मुक्त करने के मार्ग में एजीईएल की भूमिका को मजबूत करेगा। '' यह निवेश अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के जरिए किया जाएगा। अमेरिका स्थित मेरकॉम कैपिटल ग्रुप की नवीनतम वार्षिक वैश्विक रिपोर्ट में एजीईएल दूसरे सबसे बड़े वैश्विक सौर पीवी डेवलपर के रूप में उभरा है। इसका परिचालन वाला नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो 8.4 गीगावाट है, जो भारत में सबसे अधिक है।

सरकार इरकॉन में बेचेगी आठ प्रतिशत हिस्सेदारी, 1,100 करोड़ रुपये जुटाएगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार रेल उपक्रम इरकॉन में आठ प्रतिशत तक हिस्सेदारी बृहस्पतिवार से शुरू हो रही बिक्री पेशकश के जरिये बेचकर करीब 1,100 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश करेगी।

निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा, ''गैर-खुदरा निवेशकों के लिए इरकॉन में बिक्री पेशकश बृहस्पतिवार को खुलेगी। इसमें खुदरा निवेशक शुक्रवार को बोली लगा सकते हैं। सरकार ग्रीनशू विकल्प सहित आठ प्रतिशत इक्विटी का विनिवेश करेगी।'' सरकार इरकॉन में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 7.53 करोड़ इक्विटी शेयरों को 154 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचेगी। इस बिक्री पेशकश के पूरी तरह सफल होने पर सरकारी खजाने में लगभग 1,100 करोड़ रुपये आएंगे।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 58,378 करोड़ रुपये के कुल अतिरिक्त व्यय के लिए लोकसभा की मंजूरी मांगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 58,378 करोड़ रुपये के कुल अतिरिक्त व्यय के लिए बुधवार को लोकसभा की मंजूरी मांगी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने वर्ष 2023-24 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के पहले बैच को निचले सदन में प्रस्तुत किया। अनुदान की अनुपूरक मांगों में 1.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक का सकल अतिरिक्त व्यय भी शामिल है जिसे 70,968 करोड़ रुपये की बचत से समायोजित किया जाएगा। लोकसभा में प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार प्रस्ताव में 58,378.21 करोड़ रुपये का कुल नकदी व्यय शामिल है। अतिरिक्त व्यय में खाद सब्सिडी पर 13,351 करोड़ रुपये का खर्च भी शामिल है।

सरकार बी2सी लेनदेन के लिए अगले दो-तीन साल में ई-बिल करेगी अनिवार्य

नई दिल्ली/भाषा। सरकार अगले दो-तीन वर्षों में सभी व्यवसायों के लिए 'व्यवसाय से उपभोक्ता' (बी2सी) लेनदेन पर इलेक्ट्रॉनिक या ई-बिल जारी करना अनिवार्य कर सकती है। वर्तमान में पांच करोड़ रुपये और उससे अधिक के कारोबार वाली कंपनियों का 'व्यवसाय से व्यवसाय' (बी2बी) बिक्री व खरीद के लिए ई-बिल जारी करना अनिवार्य है। सरकार बी2सी लेनदेन के लिए ई-बिल अनिवार्य करने की योजना बना रही है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य-जीएसटी शशांक प्रिया ने कहा कि जीएसटी प्रणालियों को उन्नत बनाने और बी2सी (व्यवसाय से उपभोक्ता) लेनदेन के लिए ई-बिल अनिवार्य करने पर काम जारी है। एसोचैम के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हम बी2सी के लिए ई-बिल की आवश्यकता पर विचार कर रहे हैं। जीएसटीएन क्षमताओं को बढ़ाने की जरूरत है। प्रणाली तैयार करनी होगी। हमें यह देखना होगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जहां से इसकी शुरुआत की जा सकती है।

'कल तक जो था आतंकवाद का गढ़, अब बन गया है 'लाल सोने' का गढ़'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के बाद जम्मू कश्मीर में ऐसी बयार बह चली है कि 'आतंकवाद' का गढ़ कहे जाने वाले इलाके अब 'लाल सोने' के गढ़ में तब्दील हो गये हैं।

भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने लोकसभा में जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर मंगलवार को अधूरी रही संयुक्त चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में विकास की बयार बह चली है और आतंकवाद का गढ़ कहे जाने वाले पुलवामा और किश्तवाड़ जैसे इलाके अब 'लाल सोने' (केसर) के गढ़ में तब्दील हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ''पुलवामा को आतंकवाद का गढ़ कहा जाता था, लेकिन आज यह केसर का गढ़ बन गया है। किश्तवाड़ में केसर को जीआई टैग दिया गया है। केसर को 'लाल सोना' कहा जाता है।'' पाल ने कहा कि आतंकवाद की मार से त्रस्त इन इलाकों में किसान अब बेधड़क केसर का उत्पादन कर रहे हैं, जिसकी कीमत करीब तीन लाख 25 हजार रुपये प्रति किलो है।

पाल ने कहा कि अनुच्छेद 370 के प्रावधान निरस्त होने के बाद जम्मू कश्मीर का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में जुलूस प्रदर्शन को लेकर शटर बंद हो जाते थे, महीनों दुकानें बंद रहती थी, वहां अब रात 10 बजे तक बाजार गुलजार रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश में बिजली की खपत और आपूर्ति बढ़ी है। उन्होंने दो दशक से अधिक समय बाद इस साल मुहर्रम के जुलूस निकाले जाने का जिक्र करते हुए कहा कि पहले लोग घरों में बंद रहते थे, जुलूस नहीं निकाल सकते थे, अपने धार्मिक रीति-रिवाजों को उन्हें भूल जाना पड़ा था, लेकिन अब यह बंदिश समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस बार मुहर्रम का जुलूस निकाला गया और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुला उपराज्यपाल के साथ शामिल भी हुए और उन्होंने केंद्रशासित प्रशासन की इस पहल को सराहा भी।

जनजातीय समूहों के लिए 24,000 करोड़ रुपये की लागत से पीएम जन मन योजना शुरू की गई : मुंडा

नई दिल्ली/भाषा। जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के उत्थान के लिए करीब 24,000 करोड़ रुपये की लागत से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन मन) योजना मौजूदा वित्त वर्ष में शुरू की है। मुंडा ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नौ संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से इस योजना का कार्यान्वयन किया जाएगा।

इस योजना के तहत पीवीटीजी परिवारों और बस्तियों को आवास, स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच, सड़क और दूरसंचार संपर्क और स्थायी आजीविका के अवसरों जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मुंडा ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सहित देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में 75 समुदायों को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इन समूहों के लिए मौजूदा प्रावधानों में ढील दी गई है और अब 100 लोगों से कम की बस्तियों तक भी विकास कार्य पहुंचाने की कोशिश की जाएगी।

केवल 'आप' निशुल्क शिक्षा की गारंटी दे सकती है : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर 10-15 साल और जीवित रहते तो वह देश में सभी सरकारी स्कूलों को सुधार देते। किसी भी दल ने शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया। केवल आम आदमी पार्टी ही शिक्षा की दे सकती है गारंटी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि अन्य दलों ने आम आदमी पार्टी (आप) का एजेंडा चोरी कर लिया है और वे निशुल्क बिजली उपलब्ध कराने की बात कर रहे हैं तथा गारंटियां दे रहे हैं लेकिन इसके बावजूद निशुल्क शिक्षा उनकी सूची में नहीं है। वह बाबा साहेब आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए यहां 'आप' कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंबेडकर 1913 में अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने के लिए गए और उन्होंने हमेशा शिक्षा पर जोर दिया।

केजरीवाल ने कहा, ''अगर वह 10-15 साल और जीवित रहते तो वह देश में सभी सरकारी स्कूलों को सुधार देते। किसी भी दल ने शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया।'' उन्होंने कहा, ''इन दलों ने हमारा पूरा एजेंडा चुरा लिया है। वे अब सभी गारंटी दे रहे हैं और निशुल्क बिजली दे रहे हैं लेकिन निशुल्क शिक्षा की गारंटी नहीं दे रहे हैं। केवल 'आप' ही शिक्षा की गारंटी दे सकती है।'' उन्होंने कहा कि 'आप' ने शिक्षा के क्षेत्र में काफी कुछ किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों में देश में लोगों को जानबूझकर अशिक्षित रखा गया।

केजरीवाल ने कहा, ''अगर 'आप' पांच साल में अच्छी शिक्षा दे सकती है तो लोगों को 75 वर्षों में क्यों नहीं शिक्षित किया गया।''

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने यह भी आरोप लगाया कि उनसे सत्ता छीनने के लिए बाधाएं पैदा की जा रही हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा जन्म सभी की सेवा करने के लिए हुआ है। हम यहां देश के लिए लड़ने आए हैं और अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करेंगे।''

केरल : एसएफआई का राजभवन मार्च हिंसक हुआ

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र इकाई 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा उच्च शिक्षा क्षेत्र का भगवाकरण किए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को यहां राजभवन तक मार्च किया, जिसने हिंसक रूप ले लिया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राज्यपाल द्वारा उठाये गए कदमों के खिलाफ वाम संगठन द्वारा घोषित राज्यव्यापी शैक्षणिक हड़ताल के तौर पर यह मार्च निकाला गया।

बड़ी संख्या में एकत्र हुए एसएफआई के कार्यकर्ताओं ने राजभवन जाने वाली सड़क पर पुलिस द्वारा लगाए अवरोधक गिरा दिए। पुलिस द्वारा रोके जाने के बावजूद कुछ प्रदर्शनकारी राजभवन के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने पहुंच गए और उन्होंने राज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के हिंसक होने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। बाद में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया और इलाके से हटाया गया।

केरल सरकार से सलाह लेने के लिए तैयार हूं, दबाव के लिए नहीं : राज्यपाल खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को कहा कि वह राज्य सरकार से ''सलाह लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके दबाव के लिए नहीं।'' खान का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने स्वीकार किया है कि कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में गोपीनाथ रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति के संबंध में वह राज्य सरकार के दबाव में आ गए थे।

उच्चतम न्यायालय ने गोपीनाथ की पुनर्नियुक्ति रद्द कर दी थी। राज्यपाल ने यहां पत्रकारों से कहा कि वह सरकार के दबाव के आगे सिर्फ इसलिए झुके कि पुनर्नियुक्ति के संबंध में राज्य के शीर्ष विधि अधिकारी, महाधिवक्ता (एजी) की कानूनी राय थी। उन्होंने कहा, मैंने मीडिया के सामने कहा है कि मैंने जो किया वह गलत था। लेकिन, मैं उस दबाव के आगे झुक गया, क्योंकि महाधिवक्ता की एक कानूनी राय थी। अन्यथा, राजनीतिक दबाव का मैं विरोध करता। खान ने कहा, अगर मुझे किसी चीज़ की वैधता के बारे में कोई भ्रम है, तो मैं किसके पास जाऊंगा? महाधिवक्ता के पास, क्योंकि वह राज्य में शीर्ष विधि अधिकारी हैं।

राज्यपाल ने दावा किया कि पुनर्नियुक्ति पर सहमति जताते हुए उन्होंने कहा था कि महाधिवक्ता की राय अवैध थी और उन्होंने दस्तावेजों पर भी यही लिखा था। राज्य के कई विश्वविद्यालयों में कुलपति के रिक्त पदों की स्थित के बारे में पूछे जाने पर खान ने कहा कि कुलाधिपति के रूप में उन्होंने उच्चतम न्यायालय का फैसला आते ही उन पदों को भरने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त करने के संबंध में दिशानिर्देश तैयार किए जाएंगे: केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्र सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि जांच एजेंसियों द्वारा फोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त किए जाने को लेकर समिति गठित की जा रही है और दिशानिर्देश तैयार किए जाएंगे।

उच्चतम न्यायालय ने सात नवंबर को केंद्र से कहा था कि वह लोगों, विशेषकर मीडिया कर्मियों के मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किये जाने पर दिशानिर्देश जारी करे। न्यायालय ने साथ ही इसे गंभीर विषय करार दिया।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति संजय किशन कौल एवं न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ से कहा, ''इस मामले में मुझे दिशानिर्देशों के साथ आना था। समिति गठित की जा रही है और हम दिशानिर्देश तैयार करेंगे।'' अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजू ने पीठ से कुछ वक्त की मोहलत मांगी। पीठ दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें से एक याचिका 'फाउंडेशन फॉर मीडिया प्रोफेशनल्स' ने दायर कर जांच एजेंसियों द्वारा तलाशी एवं डिजिटल उपकरणों की जब्ती के लिए व्यापक दिशानिर्देश का अनुरोध किया है।एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील नित्या रामकृष्णन ने दिशानिर्देश बनाने में केन्द्र की ओर से विलंब होने का मामला उठाया।

एयर इंडिया ने एयरबस को दिये 250 विमानों के ऑर्डर में बदलाव किया

मुंबई/भाषा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने इस साल एयरबस को दिये 250 विमानों के ऑर्डर में बदलाव किया है। इसके तहत अब ए321 नियो विमानों की संख्या अधिक होगी। एयरबस के साथ 250 विमानों के ऑर्डर के तहत एयरलाइन को अपेक्षाकृत छोटे आकार (नैरोबॉडी) के 210 ए320 विमानों का अधिग्रहण करना था। इसमें 140 ए320 नियो और 70 ए 321 नियो शामिल थे। शेष 40 बड़े आकार के ए350 विमान थे। इसमें छह ए350-900 और 34 ए350-1000 शामिल थे।

सूत्र ने कहा कि एयर इंडिया ने एयरबस के साथ ऑर्डर में बदलाव किया है और अब 140 ए321 नियो और 70 ए320 नियो का अधिग्रहण करेगी। साथ ही 40 ए350 के ऑर्डर में भी बदलाव किया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, ''हम व्यावसायिक जरूरतों और अवसरों के आधार पर नियमित रूप से ऑर्डरबुक की समीक्षा करते हैं...।'' इस संदर्भ में एयरबस ने कहा, ''यह हमारे ग्राहकों पर निर्भर है कि वे रणनीति का खुलासा करें।'' टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था।

मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, रेपो दर यथावत रहने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन चलने वाली बैठक बुधवार को शुरू हुई। यह माना जा रहा है कि एमपीसी इस बार भी नीतिगत दर रेपो को यथावत रख सकती है। इसका प्रमुख कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर का उम्मीद से अधिक होना और मुद्रास्फीति में नरमी है।

आरबीआई ने पिछली चार मौद्रिक नीति समीक्षाओं में रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया। अंतिम बार फरवरी में रेपो दर को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था। इसके साथ रूस-यूक्रेन युद्ध और उसके कारण वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से महंगाई बढ़ने के कारण मई, 2022 से शुरू हुआ नीतिगत दर में वृद्धि का सिलसिला एक तरह से थम गया।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास छह सदस्यीय एमपीसी के निर्णय की घोषणा आठ दिसंबर को करेंगे।

एमपीसी से अपेक्षा के बारे में इक्रा की प्रमुख अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी आंकड़ा मौद्रिक नीति समिति के पिछले अनुमान से अधिक रहा है। हालांकि, खाद्य मुद्रास्फीति से संबद्ध विभिन्न पहलुओं को लेकर चिंता बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''इन सबको देखते हुए हमारा अनुमान है कि एमपीसी दिसंबर, 2023 की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर को यथावत रख सकती है। हालांकि, मौद्रिक नीति का रुख आक्रामक हो सकता है।'' डॉयचे बैंक रिसर्च के अनुसार, आरबीआई 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद के पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर सकता है जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान को 5.4 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखे जाने की संभावना है।

उसने कहा, ''आरबीआई संभवतः रेपो दर और रुख को अपरिवर्तित रखेगा। साथ ही नकदी की स्थिति को सख्त बनाये रख सकता है। आरबीआई यह सुनिश्चित करेगा कि अल्पकालिक दर 6.85-6.90 प्रतिशत के आसपास बनी रहे...।'' विनिर्माण, खनन और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी। इसके साथ भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाला देश बना हुआ है।

एसकेए ग्रुप के निदेशक संजय शर्मा ने कहा कि कुछ समय से आरबीआई लगातार नीतिगत दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखे हुए है। यह आर्थिक परिदृश्य को लेकर आरबीआई के भरोसे को दर्शाता है।

अल्पसंख्यकों के लिए बजट आवंटन की सदन के बाहर घोषणा करने को लेकर कर्नाटक विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा में बुधवार को हंगामा हुआ, क्योंकि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर आरोप लगाया कि उन्होंने सत्र जारी रहने के दौरान हाल में मुस्लिम समुदाय के एक कार्यक्रम में अल्पसंख्यकों के लिए 10,000 करोड़ रुपये की घोषणा कर सदन की शुचिता को भंग किया। भाजपा ने आरोप लगाया कि जो सरकार सूखा प्रभावित किसानों को राहत देने में असमर्थ है, वह विधानसभा के संज्ञान में लाए बिना अल्पसंख्यकों के लिए 10,000 करोड़ रुपये की घोषणा कर रही है। भाजपा ने मांग की कि मुख्यमंत्री अपना बयान वापस लें और सदन से माफी मांगें। हालांकि, सत्तापक्ष के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का बचाव करते हुए कहा कि सिद्धरमैया ने केवल यह कहा है कि वह हर साल अल्पसंख्यक विभाग के लिए बजट बढ़ाने का इरादा रखते हैं और अंततः विभाग के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने का इरादा है। कांग्रेस सदस्यों ने कहा कि भाजपा इस पर आपत्ति जता रही है क्योंकि वह अल्पसंख्यकों को धन देने की विरोधी है।

गत चार दिसंबर को हुबली में औलाद-ए-गौस-ए-आजम सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिद्धरमैया ने कहा था, मैं कहना चाहता हूं कि इस साल हमने अल्पसंख्यक विभाग को (वार्षिक बजट में) 4,000 करोड़ रुपये दिए हैं, और हम इसे हर साल बढ़ाने का काम करेंगे। आखिरकार, हमारा इरादा अल्पसंख्यक विभाग के जरिए 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने का है। भाजपा विधायक सुनील कुमार ने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा, यह परंपरा है कि जब विधानसभा का सत्र चल रहा हो तो बाहर किसी भी सरकारी कार्यक्रम की घोषणा नहीं की जाती है, लेकिन हुबली में एक मुस्लिम समुदाय के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 10,000 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की। जब सदन का सत्र चल रहा हो, तो सदन के सदस्य के रूप में हमें इसकी वजह जानने का अधिकार है।

उन्होंने मुख्यमंत्री पर सदन की शुचिता भंग करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए। मंत्री प्रियंक खरगे सहित सत्तारूढ़ कांग्रेस के कई सदस्यों ने मुख्यमंत्री का बचाव करने की कोशिश की और कहा कि उन्होंने जो कहा उसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि अंततः मामला सदन में आना है और खर्च किए गए प्रत्येक रुपये को विधानसभा द्वारा मंजूर किया जाना है। इसके बाद, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बहस शुरू हो गई, इसके बावजूद विधानसभाध्यक्ष यू टी खादर ने यह कहते हुए इसे रोकने की कोशिश की, मुख्यमंत्री को सदन में आने दीजिए और उन्हें स्पष्टीकरण देने दीजिए। तब तक, आगे की कार्यवाही जारी रखते हैं। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने इसमें हस्तक्षेप करते हुए कहा कि इस मुद्दे को उठाने वाले विधायक सुनील कुमार को जानकारी नहीं है या उनके पास जानकारी का अभाव है और मुख्यमंत्री की ओर से सदन के विशेषाधिकार का हनन या परंपरा का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वह उस कार्यक्रम का हिस्सा थे जिसे सिद्धरमैया ने संबोधित किया था। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यकों को बजट आवंटन का उल्लेख करते हुए कहा था कि वह इसे अगले बजट में और बढ़ाएंगे और 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे... अगर मुख्यमंत्री ने कहा होता कि उन्होंने इस साल 10,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं या आवंटित करेंगे, तो आपकी दलील में कुछ दम होता। हालांकि, सुनील कुमार और भाजपा के अन्य सदस्यों ने अपने तर्क के समर्थन में मीडिया की खबरों का हवाला दिया, जिस पर मंत्री दिनेश गुंडू राव सहित सत्तारूढ़ कांग्रेस के सदस्यों ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में शोरगुल हुआ।

राव और कुछ कांग्रेस सदस्यों ने यहां तक आरोप लगाया कि भाजपा की दिक्कत सदन की किसी परंपरा को लेकर नहीं, बल्कि मुसलमानों जैसे अल्पसंख्यकों पर खर्च बढ़ाने की सरकार की योजना को लेकर है। कांग्रेस विधायक बसवराज रायरेड्डी ने नियम पुस्तिका का हवाला देते हुए व्यवस्था का प्रश्न उठाया और कहा कि इस मुद्दे को सदन में उठाने का कोई आधार नहीं है और यह विशेषाधिकार का हनन भी नहीं है।

इसपर हस्तक्षेप करते हुए, विपक्ष के नेता आर अशोक (भाजपा) ने कहा, हमने भी मंत्री के रूप में काम किया है और सत्र के दौरान (सदन के बाहर) कभी भी किसी सरकारी कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, इसलिए मुझे भी संदेह था कि मुख्यमंत्री, जिनके पास कई बार बजट पेश करने का अनुभव है, ने क्या ऐसा बयान दिया है। लेकिन मैंने खुद यह एक समाचार चैनल पर देखा – मुख्यमंत्री कह रहे थे कि वह इस बजट में 10,000 करोड़ रुपये देंगे। उन्होंने कहा, यदि सत्र जारी रहने के दौरान मुख्यमंत्री सदन के बाहर घोषणा करते हैं, तो सत्र की आवश्यकता क्या है? आपके द्वारा बाहर घोषणा करना इसे राजनीतिक बनाता है। इसके बाद, सत्तारूढ़ और विपक्ष के बीच बहस शुरू हो गई और अशोक ने उनके हस्तक्षेप को बाधित करने की कोशिश करने वाले कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा, मैं विपक्ष के नेता के रूप में बोल रहा हूं। यदि आप इस तरह से बाधा डालेंगे, तो हमारे पास भी संख्याबल है। जब आपके नेता, मुख्यमंत्री बोलेंगे, तो हमारे पास भी संख्याबल होती है। हम 85 सदस्य हैं। कांग्रेस के कई विधायकों ने अशोक के बयान पर कड़ी आपत्ति जतायी, जिससे शोरगुल और बढ़ गया।

अशोक ने कहा कि सूखे से राहत के लिए सरकार लगभग 2,000 करोड़ रुपये जारी नहीं कर पा रही है, लेकिन वे अल्पसंख्यकों के लिए 10,000 करोड़ रुपये की घोषणा करते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से बयान वापस लेने का आग्रह किया। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने जैसे ही मुख्यमंत्री के बयान का बचाव करने की कोशिश की, भाजपा सदस्यों ने आपत्ति जतायी और खुद मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण की मांग की, जिससे तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद भाजपा सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए। एच के पाटिल और कांग्रेस के अन्य विधायकों और मंत्रियों ने भाजपा पर विधानसभा को झूठ की फैक्टरी में तब्दील करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और अशोक के उस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री के बोलने पर उन्हें बाधित करने के लिए संख्याबल होने का दावा किया था।

कर्नाटक के पूर्व विधायक ने जाति के आधार पर आरएसएस संग्रहालय में प्रवेश नहीं करने देने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के होसदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व विधायक गुलीहट्टी डी. शेखर ने आरोप लगाया है कि दलित होने के कारण उन्हें नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार संग्रहालय में प्रवेश करने से रोक दिया गया। आरएसएस ने शेखर के दावे का खंडन करते हुए इसे निराधार बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष को संबोधित एक ऑडियो संदेश में शेखर ने दावा किया कि वह करीब तीन से चार महीने पहले दो अन्य लोगों के साथ नागपुर में आरएसएस मुख्यालय गए थे।

पूर्व विधायक ने दावा किया कि वहां हेडगेवार संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर किसी ने उनसे आगंतुक रजिस्टर पर अपना नाम और पता लिखने के लिए कहा। शेखर ने आरोप लगाया, मैंने अपना नाम लिखा और अंदर जाने ही वाला था कि वहां खड़े एक आदमी ने पूछा कि 'महोदय, अगर आप बुरा न मानें तो क्या आप आरक्षित वर्ग से हैं', जिसका मतलब है कि क्या मैं अनुसूचित जाति से हूं। जब मैंने हां में जवाब दिया तो उस व्यक्ति ने कहा कि वे एससी (लोगों) को प्रवेश की अनुमति नहीं देते हैं।पूर्व मंत्री शेखर ने पार्टी द्वारा टिकट देने से इनकार करने के बाद भाजपा छोड़ दी थी और मई 2023 में चित्रदुर्ग जिले के होसदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ा था। आरएसएस की कर्नाटक शाखा ने शेखर के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि संगठन के किसी भी कार्यालय में कहीं भी कोई रजिस्टर नहीं है क्योंकि आरएसएस मुख्यालय में कोई भी कहीं भी जा सकता है।

इसने एक बयान में कहा, गुलीहट्टी शेखर ने कहा है कि यह घटना विधानसभा चुनाव से कम से कम चार महीने पहले हुई थी, जबकि उसके बाद वह कई आरएसएस नेताओं से मिले लेकिन उन्हें अपने अपमान के बारे में कभी नहीं बताया। यह आश्चर्य की बात है कि वह घटना के 10 महीने बाद एक बयान जारी कर रहे हैं।

आरएसएस ने गुलिहट्टी शेखर के आरोपों का खंडन किया, कहा- किसी को भी प्रवेश से मना नहीं किया गया

बेंगलूरु। कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक गूलीहट्टी शेखर के उन आरोपों का खंडन किया कि उन्हें उनकी जाति के कारण नागपुर में डॉ. हेगड़ेवर मेमोरियल बिल्डिंग में प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। आरएसएस ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा, हमारे नागपुर कार्यालय या ऐसे स्मारक भवनों में प्रवेश के लिए नाम दर्ज करने का कोई प्रावधान नहीं है। यह बेबुनियाद और झूठा आरोप है।

इसमें आगे कहा गया कि चाहे वह आरएसएस के किसी भी कार्यालय में हो, या स्मारक भवनों में, हर किसी को मुफ्त पहुंच है। सभी जातियों के हजारों लोग इन स्थानों पर आ रहे हैं। किसी को प्रवेश देने से इनकार करने का कोई सवाल ही नहीं है।' उन्होंने आगे कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि ऐसा बयान दस महीने बाद दिया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमेशा खुले दिमाग से सभी का स्वागत करता है।

कर्नाटक के भाजपा नेता वी. सोमन्ना ने मठ के कार्यक्रम के लिए कांग्रेस मंत्रियों को किया आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना बुधवार को तुमकुरु जिले के सिद्धगंगा मठ में आयोजित एक कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणा कर सकते हैं, जिसमें कांग्रेस के मंत्री भी शामिल होंगे। सूत्रों ने कहा कि उनके कांग्रेस में शामिल होने की संभावना है। सोमन्ना ने मठ को समर्पित करते हुए एक करोड़ रुपये की लागत से एक गुरु भवन बनाया है। सूत्रों ने कहा कि भगवा पार्टी द्वारा उन्हें नजरअंदाज किए जाने की पृष्ठभूमि में सोमन्ना इस मौके का इस्तेमाल अपनी ताकत दिखाने के लिए कर रहे हैं।

उन्हें राज्य पार्टी अध्यक्ष के पद से वंचित कर दिया गया था और आलाकमान ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा विधायक बी.वाई. विजयेंद्र को चुना था। सोमन्ना ने सार्वजनिक रूप से पार्टी से उन्हें राज्य अध्यक्ष के रूप में सेवा करने का अवसर प्रदान करने का आग्रह किया था। अनुभवी लिंगायत नेता सोमन्ना को विधानसभा चुनाव में दो निर्वाचन क्षेत्रों से लड़ने के लिए कहा गया था। उन्होंने मैसूर जिले की वरुणा सीट और चामराजनगर जिले की चामराजनगर शहर सीट पर सीएम सिद्दरामैया के खिलाफ चुनाव लड़ा।

दोनों सीटों पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले बेंगलूरु में गोविंदराजनगर सीट का प्रतिनिधित्व किया था। बाद में उन्होंने यह कहते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की कि उन्हें पार्टी नेतृत्व द्वारा सूली पर चढ़ाए जाने का अहसास हो रहा है। सोमन्ना ने गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर और सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना को आमंत्रित किया है। दोनों मंत्रियों के इस कार्यक्रम में शामिल होने से अटकलें तेज हो गई हैं कि वह कांग्रेस में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि सोमन्ना असंतुष्ट भाजपा विधायकों बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, अरविंद बेलाड और रमेश जारकीहोली के साथ नई दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं। उनके साथ पूर्व मंत्री और वरिष्ठ दलित नेता अरविंद लिंबावली भी उनके साथ जा रहे हैं। वे पार्टी में अपने भविष्य पर चर्चा करने के लिए भाजपा आलाकमान के नेताओं से मिलेंगे।

डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार और सोमन्ना एक ही क्षेत्र से हैं और उनके बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। सोमन्ना को विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए शानदार पोस्टिंग की पेशकश की गई थी। सूत्रों ने कहा कि चूंकि वह पूर्व सीएम येदियुरप्पा के विरोधी हैं और पार्टी अब उन्हें पूरी प्रमुखता दे रही है, इसलिए सोमन्ना कांग्रेस में शामिल होने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि सोमन्ना के कांग्रेस के टिकट पर तुमकुरु सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। सोमन्ना ने बेंगलूरु दक्षिण संसदीय सीट से भाजपा के तेजस्वी सूर्या की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कन्या भ्रूण हत्या गिरोह के भंडाफोड़ के बाद कर्नाटक सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश दिए

मांड्या/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मांड्या जिले में कन्या भ्रूण हत्या के गिरोह का पर्दाफाश होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने चिकित्सकीय जांच केन्द्रों के खिलाफ कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि मामले की सीआईडी जांच के लिये आदेश दिए गए हैं। जिले के दूरदराज के एक गांव में गुड़ बनाने की एक फैक्टरी में शल्य चिकित्सा के लिए अस्थाई केन्द्र तैयार किया गया था जहां खुलेआम कन्या भ्रूण हत्याएं की जा रही थीं। मांड्या जिला परिवार कल्याण अधिकारी वेंकटस्वामी और पांडवपुरा उप-मंडल सहायक आयुक्त नंदीश ने इन केन्द्रों पर छापे मारे थे।

उन्होंने सरकारी दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने वाले तथा अपने रिकॉर्ड में पूरी जानकारी नहीं देने वाले जांच केंद्रों पर ताला लगा दिया। पुलिस ने हाल ही में चिकित्सकों, नर्स और एजेंट सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया था। इन लोगों के कथित तौर पर 900 से अधिक कन्या भ्रूण हत्या की थीं। पुलिस ने बताया कि गिरोह के लोग गर्भवती महिलाओं से संपर्क करते थे और उन्हें भ्रूण के लिंग निर्धारण वाली जांच के लिए फुसलाते थे। इस काम के लिए ये लोग 20,000 से 25,000 रुपये लेते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी ये जांच गुड़ की फैक्टरी में करते थे, जहां सभी साजोसामान होता था उन्होंने बताया , अगर जांच में कोख में बच्ची होने का पता चलता था तो वे महिला से पूछते थे कि क्या वह गर्भपात कराना चाहती है। महिला के सहमत होने पर ये लोग गर्भपात करने के लिए 50,000 रुपये तक लेते थे। इस गिरोह ने कम से कम 900 कन्या भ्रूण हत्याएं की थीं।

सेल्फी

बेलगावी में बुधवार को शीतकालीन सत्र के दौरान कर्नाटक विधानसभा के दौरे पर सुवर्ण विधान सौधा में सेल्फी लेते छात्र।

पुण्यतिथि

बेलगावी में बुधवार को सुवर्ण विधान सौधा में डॉ. बीआर अंबेडकर की पुण्य तिथि के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य।

जंगली हाथी को पकड़ने के ऑपरेशन में मारे गए 'अर्जुन' का बनेगा स्मारक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने 63 वर्षीय हाथी 'अर्जुन' के लिए एक स्मारक बनाने की बुधवार को घोषणा क। एक जंगली हाथी को पकड़ने के लिए जंगल में एक ऑपरेशन के दौरान 1 दिसंबर को अर्जुन की मौत हो गई थी। सिद्दारमैया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि एक स्मारक जंगल में उस जगह बनाया जायेगा जहाँ अर्जुन की मौत हुई थी और दूसरा मैसूरु जिले के एच.डी. कोटे शहर मे होगा। इनका निर्माण राज्य सरकार करायेगी। ऐतिहासिक मैसूरु दशहरा समारोह के दौरान अर्जुन देवी चामुंडेश्वरी का स्वर्ण हौदा लेकर जाता था।

सीएम ने दोहराया, मैंने अर्जुन हाथी की मौत के संबंध में सारी जानकारी मांगी है। हमने सकलेशपुर के जंगल में एक स्मारक बनाने के लिए कहा है, जहां उसकी मौत हुई थी और हमने एचडी कोटे में एक स्मारक बनाने के भी निर्देश दिए हैं। सिद्दारमैया ने कहा, दशहरा के दौरान अर्जुन आठ बार गोल्डन हौदा लेकर गया था। उसकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई। हाथी को लंबे समय तक जीवित रहना चाहिए था। उसकी मृत्यु हो गई क्योंकि उसका इस्तेमाल जंगली हाथी पकड़ने के ऑपरेशन में किया गया था।

अर्जुन की देखभाल करने वाले महुत वीनू ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान अर्जुन के पैर में चोट लग गई और खून बहने लगा। इसके बावजूद वह एक जंगली हाथी से भिड़ गया। इसके बाद मिसफायर में गोली उसके पैर में लग गयी। अर्जुन अकेले ही लड़ता और जीतता, लेकिन पैर में चोट के कारण वह जीत नहीं सका। जंगली हाथी ने उसे मार डाला। उन्होंने कहा, अर्जुन ने 10 लोगों की जान बचाई और अपनी जान दे दी। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने पहले दुःख व्यक्त करते हुए कहा था कि अर्जुन ने आठ बार जंबू सावरी में भाग लिया था। वह आराम से 750 किलोग्राम के गोल्डन हौदा को पीठ पर लेकर चलता था। वह सबका चहेता बन गया था। अर्जुन को 1968 में काकानाकोटे जंगल में खेड्डा ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया था। 60 साल की सेवा पूरी करने के बाद 2020 में सेवानिवृत्त होने से पहले तक वह आठ बार गोल्डन हौदा लेकर जुलूस के आगे-आगे चला।

चेन्नई के कई हिस्सों में जलभराव, राहत कार्यों में तेजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई और उसके आसपास के जिलों में चक्रवात 'मिगजॉम' द्वारा भारी तबाही मचाने के दो दिन बाद बुधवार को भी स्थानीय लोगों को जलभराव और बिजली की समस्या से जूझना पड़ा। स्थानीय एजेंसियों के कर्मचारियों ने राहत और पुनर्वास के प्रयास तेज कर दिये हैं। चक्रवात के असर से हुई भारी बारिश के कारण वेलचेरी और तांबरम सहित कई इलाकों में बाढ़ आ गई थी। बुधवार को भी लोगों को जलभराव वाले इलाकों में अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाते देखा गया। अपने बच्चों को लेकर लोगों को सड़कों पर घुटनों तक भरे पानी के बीच से गुजरना पड़ा।

लोग सुरक्षति स्थानों पर जाने के लिए और अधिक नौकाएं भेजने सहित अन्य मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बारिश प्रभावित कई इलाकों का दौरा किया और शहर के एक राहत केंद्र में आश्रय ले रहे लोगों को भोजन और आवश्यक सामग्री वितरित कीं। उन्होंने शहर के स्थानीय निकाय द्वारा जल निकासी के लिए किये जा रहे प्रयासों का भी जायजा लिया। उन्होंने केंद्र को पत्र लिखकर हालात से निपटने के लिए 5,060 करोड़ रुपये की अंतरिम राहत राशि जारी करने मांग की है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कई लोगों ने रिहायशी इलाकों में जलभराव के वीडियो साझा किये और दावा किया कि कई लोग अपने घरों में फंसे हुये हैं। सोशल मीडिया मंच पर हैशटैग वेलचेरी से संबंधित कई पोस्ट किये गये। एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने पोस्ट कर इस बात पर अफसोस जताया कि उनके रिश्तेदार पिछले तीन दिन से बिना बिजली, पानी और दूध के अपने घर में बंद हैं।

चिक्कमगलूर के पास केम्पनहल्ली में दोस्ती दरबार युवक संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बैलगाड़ी दौड़ में भाग लेते प्रतिभागी।

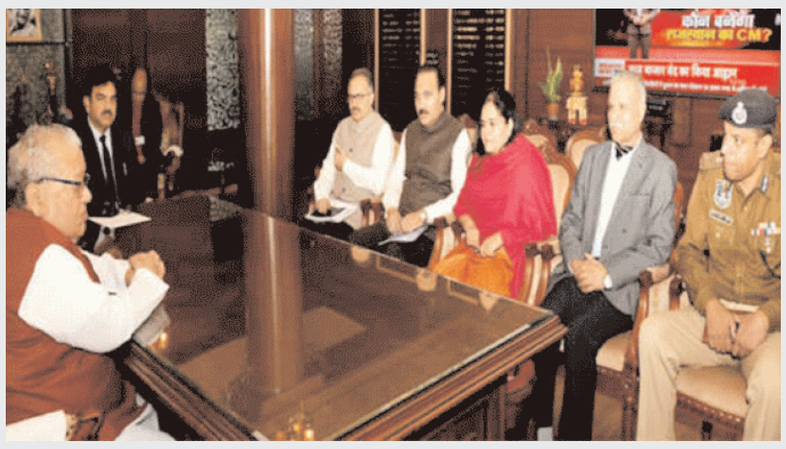

गोगामेड़ी हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी गठित, जयपुर सहित कई शहरों में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की जांच के लिए बुधवार को विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की। इस हत्याकांड के विरोध में कई जगह प्रदर्शन हुए। फिलहाल कहीं से हिंसा की कोई खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने इस हत्याकांड के बाद राज्य के हालात को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से फोन पर बात की। इससे पहले राज्यपाल मिश्र ने बुधवार को पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

राजपूत समाज के लोगों ने जयपुर के खातीपुरा इलाके में प्रदर्शन किया, जहां से वे दूसरे इलाकों में चले गए और वहां बंद की घोषणा की। गोगामेड़ी समर्थकों ने हत्या के विरोध में जयपुर बंद की घोषणा की। इस वजह से सभी बाजार बंद रहे और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी कम रही। राजधानी जयपुर में कई स्कूलों में एहतियातन छुट्टी घोषित कर दी गई। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उमेश मिश्रा ने गोगामेड़ी हत्याकांड की सघन जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी-अपराध) दिनेश एमएन की निगरानी में एसआईटी गठित कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, डीजीपी ने बताया कि गोगामेड़ी हत्याकांड के दोनों अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और तलाशी के लिए अभियान भी चलाया है। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसेफ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गोगामेड़ी और नवीन सिंह शेखावत की राजपूत नेता के घर पर मंगलवार को गोली मारकर हत्या करने वाले दो हमलावरों पहचान कर ली गई है और उनकी तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा, एक आरोपी हरियाणा का है और दूसरा राजस्थान का है।गोगामेड़ी की मंगलवार को यहां श्यामनगर में उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इस हत्याकांड के विरोध में राजपूत समाज ने बुधवार को जयपुर बंद की घोषणा की। राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने गोगामेड़ी को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए पुलिस महानिदेशक को हटाने की मांग की। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पंजाब पुलिस से सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, लेकिन राजस्थान पुलिस ने उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की। यह साफ तौर पर पुलिस की विफलता है। पुलिस महानिदेशक को हटाया जाना चाहिए, लापरवाह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

समाज के कुछ लोगों ने जयपुर में खातीपुरा सड़क को जाम कर दिया। बड़ी संख्या में राजपूत समाज के लोग जयपुर के मानसरोवर इलाके में मेट्रो मास अस्पताल के बाहर गोगामेड़ी का शव रखकर धरना दे रहे हैं। राज्य के जोधपुर, उदयपुर व अन्य शहरों से भी प्रदर्शन की खबरें हैं लेकिन किसी तरह की हिंसा की सूचना नहीं है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े गैंगस्टर रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली है। गोगामेड़ी के समर्थकों ने राजपूत नेता के परिवार के लिए 11 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। गोगामेड़ी हत्याकांड के मद्देनजर राज्यपाल मिश्र ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की। राजभवन के प्रवक्ता के अनुसार, राज्यपाल ने राज्य में कानून-व्यवस्था के बारे में भी शाह को विस्तार से जानकारी दी।

इससे पहले मिश्र ने यहां पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों की विशेष बैठक ली। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रवक्ता ने बताया कि मिश्र ने बुधवार को राज्य की मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और जयपुर के पुलिस आयुक्त को राजभवन बुलाकर राज्य की कानून-व्यवस्था की विशेष समीक्षा की। मिश्र ने कहा कि राज्य में शूटर द्वारा दिनदहाड़े हत्या करना गंभीर मामला है। उन्होंने अपराधियों को पकड़ने के लिए पुख्ता कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार को राजस्थान में कई जगह प्रदर्शन हुए। फिलहाल कहीं से हिंसा की कोई खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार हमलावरों की पहचान की ली गई है और उनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। राजपूत समुदाय के लोगों ने जयपुर के खातीपुरा इलाके में प्रदर्शन किया, जहां से उन्होंने बाजार बंद कराने के लिए दूसरे हिस्सों में कूच किया। गोगामेड़ी समर्थकों ने हत्या के विरोध में जयपुर बंद का आह्वान किया है। राजधानी जयपुर में कई स्कूलों ने एहतियातन छुट्टी घोषित कर दी है।

राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने गोगामेड़ी को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए पुलिस महानिदेशक को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा, पंजाब पुलिस से सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी लेकिन राजस्थान पुलिस ने उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की। यह साफ तौर पर पुलिस की विफलता है। पुलिस महानिदेशक को हटाया जाना चाहिए, लापरवाह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

मकराना ने कहा कि आरोपियों को नहीं पकड़े जाने पर राजपूत समाज में भारी आक्रोश है और वे देशभर में विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि इस घटना से न केवल राजपूत समाज, बल्कि 'सर्व समाज' आक्रोशित है।

मिश्र ने शाह से की बात

जयपुर।राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दूरभाष पर गोगामेड़ी हत्याकांड से उपजे हालात के बारे में बात की। इस दौरान मिश्र ने प्रदेश में कानून और शांति व्यवस्था के बारे में भी उन्हें विस्तार से जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मंगलवार को बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर देने के बाद जयपुर में धरना दिया जा रहा है जहां बड़ी संख्या में लोग इक्ठे हो रहे हैं और बुधवार को राजस्थान बंद भी रहा। बंद के दौरान जयपुर सहित विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर प्रदर्शन किया गया।

राज्यपाल मिश्र ने अधिकारियों की बैठक ली, अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के मद्देनजर राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों की विशेष बैठक ली। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। राजभवन के प्रवक्ता ने बताया कि मिश्र ने बुधवार को राज्य की मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और जयपुर के पुलिस आयुक्त को राजभवन बुलाकर राज्य की कानून एवं शांति व्यवस्था की विशेष समीक्षा की। मिश्र ने कहा कि राज्य में शूटरों द्वारा दिन दहाड़े हत्या गंभीर मामला है।

उन्होंने संगठित अपराध से उपजे हालात पर निरंतर निगरानी रखे जाने की हिदायत दी। विशेष रूप से उन्होंने अपराधियों को पकड़े जाने के लिए पुख्ता कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून एवं शांति व्यवस्था किसी भी स्तर पर नहीं बिगड़े, इसके लिए पुलिस और प्रशासन सभी स्तरों पर प्रभावी कदम उठाए। राज्यपाल ने पुलिस और प्रशासन के स्तर पर निरंतर सभी स्थानों पर अलर्ट रहते हुए काम करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी स्तर पर कोताही और लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि कानून व्यवस्था सर्वोपरि है। सभी स्तरों पर यह सुनिश्चित किया जाए कि आम जन को प्रदेश में किसी भी स्थान पर परेशानी की स्थिति नहीं पैदा हो।

बैठक में मुख्य सचिव उषा शर्मा ने बताया कि राज्य भर में जिला कलेक्टर स्तर पर हालात की निरंतर निगरानी की जा रही है। केंद्र सरकार के स्तर पर भी तीन कंपनियां तैनात की गयी हैं। उन्होंने बताया कि प्रकरण में पोस्टमार्टम और एफआईआर दर्ज कर अपराधियों को पकड़े जाने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा और गृह सचिव आनंद कुमार ने घटनाक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अपराधियों को गिरफ्तार करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था राजीव शर्मा व जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही मिश्र ने आम जन से शांति और कानून व्यवस्था में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा है कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किरोड़ी, दिया एवं राज्यवर्धन ने दिया संसद सदस्यता से इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा आम चुनाव में विधायक चुने जाने के बाद सांसद किरोड़ी लाल मीणा, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं दिया कुमारी ने अपनी संसद सदस्यता से बुधवार को इस्तीफा दे दिया। इससे पहले इन तीनों सांसदों ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि मीणा सवाईमाधोपुर से, राठौड़ जयपुर के झोटवाड़ा एवं श्रीमती दिया कुमारी विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुई है। इस अवसर पर डा मीणा ने कहा कि इस मौके प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला जो अहर्निश सेवा के लिए प्रवृत्त करता है। श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में विद्याधरनगर को एक बेहतर और विकसित क्षेत्र बनाने का उनका संकल्प अवश्य सिद्ध होगा। सांसद बालकनाथ भी इस विधानसभा चुनाव में तिजारा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव का आगाज 11 जनवरी से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। बीकानेर में अन्तराष्ट्रीय ऊंट उत्सव का आयोजन 11 से 14 जनवरी तक किया जाएगा। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में इस संबंध में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी अंतराष्ट्रीय ऊंट उत्सव-आइकंस ऑफ बीकानेर की थीम पर आयोजित किया जाएगा। इसमें स्थानीय कला, संगीत और संस्कृति में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले कलाकारों को इस उत्सव के माध्यम से एक वैश्विक मंच उपलब्ध करवाया जाएगा।

जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि ऊंट उत्सव में 11 जनवरी को क्लासिकल फॉर्म्स ऑफ आर्ट्स के संबंध में विशेष आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शास्त्रीय संगीत व शास्त्रीय नृत्य से जुड़े कलाकारों द्वारा विशेष प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उत्सव के दौरान 12 जनवरी को धरणीधर स्टेडियम में कला व संस्कृति का फ्यूजन शो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय लोक कला संस्कृति के रंगों के साथ-साथ

कंटेंपरेरी आर्ट भी जोड़कर आयोजित होगा। स्थानीय व्यंजन भी इस शो के आकर्षण रहेंगे।

सहायक निदेशक पर्यटन कृष्ण कुमार ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दौरान रायसर में सेलिब्रिटी नाइट आयोजित की जाएगी, जिसमें अग्नि नृत्य के साथ-साथ एक विशेष सेलिब्रिटी को प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रायसर के धोड़ों में घुड़दौड़ और घोड़ों के नृत्य भी इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव में आकर्षण के विशेष केंद्र होंगे। कैमल फार्म में प्रतिवर्ष की भांति ऊंट दौड़ आयोजित होगी। कैमल फार्म में ऊंट श्रृंगार प्रतियोगिता ऊंट दौड़ प्रतियोगिता ऊंट डांस प्रतियोगिता एवं ऊंट पर कटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

बैठक में जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि ऊंट उत्सव में देशी-विदेशी पर्यटकों की अधिक से अधिक भागीदारी रहे, इसके लिए प्लानिंग करते हुए तैयारियां समय पर करें और प्रचार प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जाए। पर्यटन विभाग वेबसाइट, समस्त होटल वेबसाइट्स एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को हेरिटेज रूट कि सड़कों, रायसर रोड़ एवं मुख्य मार्गों सहित स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पर्यटन विभाग को ऊंट दौड़ तथा हॉर्स रेसिंग प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र एवं राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने बताया कि कैमल फेस्टिवल के दौरान काइट फ्लाइंग कंपटीशन का आयोजन भी किया जाएगा।कलेक्टर ने ऊंट उत्सव के दौरान होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं को भी आकर्षक रूप देने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि मेले के दौरान प्रतिदिन शहरी परकोटे में पैदल वॉक और तांगा राइड, हवेली संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्त कार्यक्रमों का जायजा लेने तथा इससे जुड़े समस्त तैयारियों प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र निदेशक डॉ. अर्तबंधु साहू, पर्यटन विभाग के उप निदेशक अनिल राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नगर) दीपक कुमार शर्मा, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र उपायुक्त सुरेंद्र कुमार, सहायक निदेशक पर्यटन कृष्ण कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी पवन शर्मा, पर्यटन विकास समिति के सदस्य गोपाल बिस्सा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस राज में बदहाल हुई प्रदेश की कानून व्यवस्था : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । भाजपा विधायक दिया कुमारी ने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की दिन दहाड़े हत्या की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा इस घटना से बिल्कुल स्तब्ध हूं। शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। घटना की कड़ी निंदा करते हुए दिया कुमारी ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह घटना प्रदेश की कांग्रेस सरकार की कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से असफल रही और ये घटना भी उसी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि श्री सुखदेव सिंह जी के सुरक्षा मांगने पर भी प्रदेश सरकार से उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की। उन्होंने ऐसी घटना का अंदेशा एक इंटरव्यू के दौरान भी जताया था, उसके बावजूद सरकार का ऐसा रवैया बहुत निंदनीय है। राजस्थान में कांग्रेस राज के पांच वर्षों में कानून व्यवस्था ठप और गैंग वार जैसी घटनाएं आम बात हो चुकी है। प्रदेश में न आम आदमी सुरक्षित रहा और न ही महिलाएं। इसका नतीजा कांग्रेस सरकार को इन चुनावों के दौरान मिला, जहां जनता ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। दिया कुमारी ने कहा मामले को फास्ट ट्रैक में लेकर आरोपियों को फांसी की सजा होनी चाहिए। जब तक आरोपियों को कड़ी सजा नहीं मिलेगी, तब तक ऐसी वारदातें होती रहेंगी।

उदयपुर जिले का बर्ड विलेज मेनार पर्यटन क्षेत्र का खज़ाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में परिंदों का गांव बर्ड विलेज के नाम से विख्यात उदयपुर जिले की वल्लभनगर तहसील में स्थित मेनार गांव में पर्यटन क्षेत्र का खज़ाना छिपा है जहां पक्षियों की 250 से अधिक प्रजातियां देखने को मिलती है जिनमें सौ से अधिक प्रवासी पक्षी हैं। परिंदों के इस गांव में पर्यटकों को मेवाड़ की शौर्य गाथाएं, परम्पराएं, सभ्यता, प्राकृतिक, संस्कृति, विरासत, पुरातत्व पर्यटन एवं संरक्षण का संगम भी देखने को मिलता है। इसके अलावा यहां की बारूद की होली भी खासी प्रसिद्ध है वहीं मेनार के अधिकतर निवासी पाक कला व्यवसाय में कार्यरत हैं।

अपनी पर्यटन विविधता के लिए प्रसिद्ध राजस्थान में वाइल्ड लाइफ टूरिज्म प्रदेश के पर्यटन का अहम हिस्सा है और बर्डिंग में राजस्थान का कोई सानी नहीं है और भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान सबसे प्रसिद्ध पक्षी अभ्यारण्य में गिना जाता है जो कि प्रदेश की सबसे पहली दो रामसर साइट्स में से एक है। लेकिन इन दिनों प्रदेश में उदयपुर से चालीस किलोमीटर दूर स्थित मेनार पक्षी ग्राम चर्चाओं में है क्योंकि इसे जल्द ही रामसर साइट घोषित किया जाने वाला है साथ ही मेनार ग्राम का चयन पर्यटन मंत्रालय द्वारा ट्रेवल फॉर लाइफ के तहत बेस्ट टूरिज़्म विलेज कॉम्पिटीशन 2023 में सिल्वर श्रेणी में हुआ है।

मेनार गांव में 250 प्रकार की चिड़ियाएं देखी जा सकती हैं, जिनमें 100 से अधिक प्रवासी पक्षी हैं। पक्षी प्रेमी ग्रामीणों ने तालाबों को पक्षियों के लिए संरक्षित एवं समर्पित रखा है। गत 19 जुलाई को मेनार गांव के ब्रह्म तालाब और ढंड तालाब को वेटलैंड घोषित किया गया है। वन विभाग द्वारा इसे रामसर साइट घोषित करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया हैं। मेनार गांव अपने आप में इसलिए भी अनूठा है कि यहां पर पर्यटकों को मेवाड़ की शौर्य गाथाएं, परम्पराएं, सभ्यता, प्राकृतिक, संस्कृति, विरासत एवं पुरातत्व पर्यटन व संरक्षण का संगम देखने को मिलता है। जो एक ऐसा सुखद अहसास है जो पर्यटकों को मेनार के अलावा कहीं नहीं मिलता।

इस गांव में सामुदायिक संरक्षण एवं वन संरक्षण के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण भी देखने को मिलता है। पक्षीविदों का कहना है कि यहां के पक्षियों में इंसान के प्रति डर नहीं है वह उनके सामने भी सहज रहते हैं बल्कि बेहद नजदीक से यहां पक्षियों को देखा एवं महसूस किया जा सकता है। यहां के स्वयं सेवक इतने सजग हैं कि फोटोग्राफर्स को पक्षियों को उड़ा कर तस्वीर लेने की सख्त मनाही है, जिसे भी फोटो खींचनी है वह उसे यहां सहज रूप से भी उपलब्ध हो जाती है। मेनार गांव में वॉलियन्टर्स को पक्षी मित्र के नाम पुकारा जाता है। इन पक्षी मित्रों की जागरूकता एवं संवेदनशीलता के कारण ही मेनार आज वैश्विक पर्यटन मंच पर अपनी सशक्त उपस्थित दर्ज करवा रहा है। पक्षी मित्रों सहित पक्षीविदों का कहना है कि यहां का वातावरण प्रवासी पंछियों को इतना भाया है कि कुछ पक्षी अपने पुराने संसार में नहीं लौटे और वेइस गांव के माहौल में खुद को ढ़ाल लिया।

नड्डा ने भारत दौरे पर आए केन्या के राष्ट्रपति रुतो से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को केन्या के राष्ट्रपति विलियम एस रुतो से मुलाकात की और उन्हें देश की सत्तारूढ़ पार्टी के दृष्टिकोण व संगठनात्मक संरचना से अवगत कराया।

रुतो भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक की थी।

भाजपा की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''नड्डा ने राष्ट्रपति रुतो को भाजपा के दृष्टिकोण और संगठनात्मक ढांचे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समाज में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों, महिलाओं और हाशिए के अन्य समूहों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया।'' नड्डा ने 'भाजपा को जानो' पहल के तहत भाजपा के साथ 'पार्टी टू पार्टी' संवाद शुरू करने के लिए केन्या के सत्ताधारी दल यूनाइटेड डेमोक्रेटिक एलायंस (यूडीए) के एक प्रतिनिधिमंडल को भारत आने का निमंत्रण भी दिया। रुतो यूडीए के नेता हैं। बैठक में भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले भी उपस्थित थे।

भाजपा अध्यक्ष के रूप में नड्डा ने साल 2022 में भाजपा के स्थापना दिवस पर विशेष रूप से विदेशी राजनयिकों को पार्टी की ऐतिहासिक यात्रा और जारी गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के लिए 'भाजपा को जानो' पहल की शुरूआत की थी।

आंबेडकर का अपमान करने वालों के बारे में गांव-गांव जाकर बताना होगा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत विरोधी गतिविधियों के जरिये समाज को विभाजित कर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे लोग दरअसल आंबेडकर का अपमान कर रहे हैं और सबको इस बारे में गांव-गांव जाकर बताना होगा।

मुख्यमंत्री ने डॉक्टर आंबेडकर के 67वें परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किसी का नाम लिये बगैर कहा, 'बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने एक बात कही थी कि हम सबसे पहले भारतीय हैं। आज जब कुछ लोग भारत को कोसते हैं, भारतीयता का अपमान करते हैं, जाति के नाम पर समाज में खाई को चौड़ा करने का काम करते हैं, तो वे एक प्रकार से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करते हैं।' उन्होंने कहा, 'बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का हर एक काम देश के नाम था। जो लोग आज भारत विरोधी गतिविधियों के माध्यम से समाज को विभाजित करते हैं, भारत को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, वह बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का अपमान करते हैं। हम सबको इस बारे में गांव-गांव जाकर बताना होगा।' मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा, 'पहले की सरकारें चेहरा देखकर कार्रवाई करती थीं। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देती थीं। कोई दलित समर्थक होता था तो कोई दलित विरोधी हो जाता था। जो विरोधी थे वे तो विरोध में थे ही, लेकिन जो समर्थक बनने का काम करते थे वह भी दलितों के पक्ष में काम नहीं कर पाते थे। वे दलितों के नाम पर अपनी रोटी तो सेंकते थे लेकिन गरीबों और वंचितों के लिए कोई प्रभावी कार्यक्रम तैयार नहीं कर पाए थे।' मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर समाज के सभी वर्गों के लिये बिना किसी भेदभाव के काम करने का दावा किया और कहा, 'पहली बार आपने देखा होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जाति, मत, मजहब को महत्व दिए बिना एक नारा दियाह्नसबका साथ, सबका विकास। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी वर्गों को योजनाओं के साथ जोड़ा है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के सपनों को सही मायनों में अंगीकार करने और 26 नवंबर की तिथि को संविधान दिवस के रूप में स्थापित करने का काम भी अगर किसी ने किया है तो वह प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया है।' योगी ने कहा कि भाजपा सरकार हर गरीब, दलित और वंचित के साथ खड़ी है और उन्हें उनका अधिकार देने के लिए तैयार है।

'इंडिया' गठबंधन को सीट बंटवारे सहित भविष्य की रणनीतियों पर तेजी से काम करना चाहिएः नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को कम महत्व देते हुए बुधवार को कहा कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन को सीट बंटवारे के मुद्दे सहित अपनी भविष्य की रणनीतियों को अंतिम रूप देने में तेजी से काम करना चाहिए।

कुमार ने पटना में कहा, ''पिछले चुनावों में इन राज्यों (छत्तीसगढ़, राजस्थान) कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। इस बार भी कांग्रेस को अच्छा खासा वोट मिला है, लेकिन भाजपा जीती। लेकिन, तेलंगाना में कांग्रेस ने जीत दर्ज है। इन सब पर कोई खास चर्चा की जरूरत नहीं है। हम तो यही चाहते हैं कि बहुत तेजी से विपक्ष एकजुट हो।'' उन्होंने कहा, ''खबर में चल रहा था कि हम 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में नहीं जा रहे हैं जबकि ऐसी कोई बात नहीं थी। मेरी तबीयत खराब थी। मुझे सर्दी-खांसी, बुखार था। अगली बैठक होगी तो हम फिर से कहेंगे कि अब देर नहीं कीजिए। आपस में बैठकर सबकुछ जल्दी से तय कर लीजिए।'' राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए 'इंडिया' गठबंधन के शीर्ष नेता 17 दिसंबर को दिल्ली में बैठक करेंगे।

राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संविधान निर्माता बाबासाहब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद भवन परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी आंबेडकर प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि देने वालों में कई केंद्रीय मंत्री, सांसद और पूर्व सांसद, लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी सहित अन्य शामिल थे।

हमें आंबेडकर के मूल्यों पर कायम रहना होगा : सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ और उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायमूर्तियों ने बुधवार को बी.आर. आंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उच्चतम न्यायालय परिसर में आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद सीजेआई ने कहा, ''हमें डॉ. आंबेडकर के मूल्यों पर कायम रहना होगा।'' सीजेआई ने कहा, ''शीर्ष अदालत के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि छह दिसंबर राष्ट्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। लेकिन अदालत परिसर में डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही अब हम भी इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा हैं।'' चंद्रचूड़ ने कहा कि वह और उनके सहयोगी इस बात से बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि ''हम भारतीय संविधान के निर्माता को श्रद्धांजलि देने के लिए इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा हैं।'' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर शीर्ष अदालत परिसर में आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया था।

बिहार में धार्मिक स्थलों के पास सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें हुईं: एनसीआरबी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक बिहार में पिछले साल धार्मिक स्थलों के पास सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 2,995 लोगों की जान चली गई।

एनसीआरबी द्वारा जारी देश में 2022 के दौरान आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 की तुलना में 2022 में बिहार में सड़क दुर्घटनाओं में 13.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में राज्य के ग्रामीण इलाकों में धार्मिक स्थलों के पास हुई सड़क दुर्घटनाओं में कुल 2258 लोगों (पुरुष-1791 और महिला-467) की जान चली गई। ये देश में सर्वाधिक हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश (686), झारखंड (525), तमिलनाडु (506), मध्य प्रदेश (340) और महाराष्ट्र (321) का स्थान है।

'चुनाव से पहले झूठे वादे करती है भाजपा'

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उसे देश में ''सबसे बड़ा जेबकतरा'' करार दिया। साथ ही, उसे चुनाव से पहले मतदाताओं को झांसा देने वाला दल बताया।

उत्तर बंगाल के लिए रवाना होने से पहले यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में बनर्जी ने कहा कि भाजपा के लिए ''राजनीतिक दाना-पानी'' को लेकर केंद्रीय एजेंसियां बार-बार राज्य का दौरा करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे (भाजपा) देश में सबसे बड़े जेबकतरे हैं और लोगों को इसके कारण सबसे ज्यादा परेशानी हुई है। प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये भेजने के उनके वादे, फिर नोटबंदी, महामारी के दौरान मुश्किलें...उन्होंने चुनाव से पहले झूठे वादे कर लोगों को झांसा दिया।''

भारत एक 'गौ माता' देश है : असम के मुख्यमंत्री हिमंत ने द्रमुक सांसद की टिप्पणी पर कहा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि भारत एक ''गौ माता'' देश है और इस बारे में कोई विवाद नहीं है। मुख्यमंत्री शर्मा ने मंगलवार को संसद में द्रमुक सांसद डी.एन.वी. सेंथिल कुमार की विवादास्पद टिप्पणी के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए यह कहा।

द्रमुक सांसद ने सत्तारूढ़ भाजपा पर प्रहार करते हुए हिंदी भाषी राज्यों का जिक्र करने के लिए अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया था। इस टिप्पणी की भाजपा के साथ-साथ द्रमुक की सहयोगी कांग्रेस ने तत्काल निंदा की और सांसद ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी। इसके बाद, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटा दिया था। शर्मा ने कहा, ''उनसे (कुमार से) मेरा एकमात्र अनुरोध यह है कि भविष्य में यह कहें कि यह 'गौ माता' देश है, न कि 'गोमूत्र' देश। इसमें समस्या क्या है? खुद को 'गौ माता' देश कहना गर्व की बात है।'' उन्होंने कहा, ''इससे बेहतर क्या हो सकता है कि कोई इसे (देश को) गौ माता प्रदेश कहे? हम एक गौ माता देश हैं, इसमें कोई विवाद नहीं है... इसे 'गोमूत्र' प्रदेश कहना अपमानजनक है... उन्हें (कुमार को) 'गौ माता' प्रदेश कहना चाहिए था।''

बसपा प्रमुख मायावती ने गरीबों के लिए मुफ्त अनाज योजना पर तंज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर तंज करते हुए कहा कि देश के 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को सरकारी अनाज का 'मोहताज' बना देना ना तो आजादी के बाद का सपना था और ना ही संविधान बनाते समय बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने सोचा था।

मायावती ने यह भी कहा कि हाल के चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम से ऐसा लगता है कि सरकारी अनाज के 'मोहताज' बनाए गए यह दबे-कुचले और उपेक्षित लोग अपनी बदहाली से खुश नहीं है, लेकिन क्या वे इतना साहस भी नहीं दिखा पा रहे हैं कि चुनाव में अपना विरोध दर्ज कराकर 'सर्वजन हिताय, सर्जन सुखाय' की नीतियों पर चलने वाली सरकार चुनने का सार्थक प्रयास कर सकें। मायावती ने आंबेडकर के 67वें 'परिनिर्वाण दिवस' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''लगभग 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछड़ों सहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निर्माता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को आज उनके 'परिनिर्वाण दिवस' पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर तंज करते हुए कहा, ''देश के 81 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के लिए मोहताज बना देने जैसी दुर्दशा ना यह आजादी का सपना था और ना ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति-दुःखद है।''

भारतीय क्रिकेट टीम के विश्वकप अभियान की तरह फाइनल में हार गई कांग्रेस: सिंहदेव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छत्तीसगढ़ के निवर्तमान उपमुख्यमंत्री टी. एस. सिंहदेव ने राज्य में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की तुलना क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम के प्रदर्शन से की जिसमें उसने सभी मैच जीते, लेकिन अंतिम मुकाबला हार गई थी।

सिंहदेव ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके सहित राज्य में नेतृत्व एकजुट होकर काम कर रहा है और कोई बिखराव नहीं है। सिंहदेव (71) को हाल में छत्तीसगढ़ में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में अपनी अंबिकापुर विधानसभा सीट पर 94 मतों के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें कही जा रही हैं कि आदिवासी मतों का बंटवारा हुआ, लेकिन इसका दायरा 'सीमित' है और पार्टी ने शहरी क्षेत्रों में भी खराब प्रदर्शन किया है। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन सभी महत्वपूर्ण मुकाबले में हार रही है, सिंहदेव ने कहा, यह काफी हद तक क्रिकेट विश्व कप जैसा लग रहा है जहां हमने अन्य सभी मैच में जीत दर्ज की लेकिन फाइनल मैच नहीं जीत पाये थे। भारत ने क्रिकेट विश्व कप में लगातार दस मैच में जीत दर्ज की थी लेकिन फाइनल मैच में उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

जेडपीएम नेता लालदुहोमा कल मिजोरम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

आइजोल/भाषा। जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा शुक्रवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राजभवन के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि लालदुहोमा के अलावा उनकी मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों को भी शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे राजभवन में एक समारोह में शपथ दिलाई जाएगी। इससे पहले, लालदुहोमा ने राज्यपाल हरी बाबू कंभमपति से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। जेडपीएम ने सात नवंबर को मिजोरम में हुए विधानसभा चुनाव में 40 में से 27 सीटों पर जीत हासिल की। पार्टी ने सोमवार को आए मतगणना परिणाम में जोरमथांगा के नेतृत्व वाले मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हरा जीत हासिल की। जेडपीएम के मीडिया प्रकोष्ठ के महासचिव एड्डी जोसांगलियाना कोलनी ने कहा कि पार्टी की सलाहकार इकाई नई सरकार के गठन के संबंध में बृहस्पतिवार को लालदुहोमा से मुलाकात करेगी। उन्होंने कहा कि बैठक में मंत्रिपरिषद के गठन और अन्य मुद्दों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी गरीबों का दर्द समझते हैं, उन्होंने विस्थापितों के आंसू पोंछे हैं: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर से संबंधित जिन दो विधेयकों पर सदन में विचार हो रहा है, वे उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाये गये हैं जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया।

उन्होंने जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों का दर्द समझते हैं तथा एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने पिछड़ों के आंसू पोंछे हैं। शाह ने कहा कि विधेयक पर चर्चा में पक्ष-विपक्ष के 29 वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन किसी ने भी इस विधेयक के तत्व का विरोध नहीं किया और विधेयक के उद्देश्य के साथ किसी ने असहमति नहीं जताई है। उनका कहना था कि ये दोनों विधेयक उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाये गये हैं जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया

विधेयक का नाम बदलने के कुछ विपक्षी सदस्यों के सवाल पर गृह मंत्री ने कहा, ''नाम के साथ सम्मान जुड़ा है, इसे वही लोग समझ सकते हैं, जो पीछे छूट गए लोगों को संवेदना के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं। मोदी जी ऐसे नेता हैं, जो गरीब घर में जन्म लेकर देश के प्रधानमंत्री बने हैं, वह पिछड़ों और गरीबों का दर्द जानते हैं। वो लोग इसे नहीं समझ सकते, जो इसका उपयोग वोटबैंक के लिए करते हैं।''

काफी अधिक क्रिकेट से हरफनमौलाओं का विकास प्रभावित हो रहा: कैलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज हरफनमौलाओं की सूची में शामिल जाक कैलिस ने कहा है कि 'सभी प्रारूपों में काफी अधिक क्रिकेट' के कारण आधुनिक क्रिकेट, विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में स्तरीय ऑलराउंडर की कमी हो गई है। सर गारफील्ड सोबर्स (8032 रन और 235 विकेट) को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर माना जाता है जबकि इसमें कोई संदेह नहीं कि कैलिस (25 हजार से अधिक रन और 235 विकेट) आधुनिक युग के महान ऑलराउंडर में से एक हैं।

क्रिकेट जगत ने 1980 के दशक में इमरान खान, रिचर्ड हैडली, इयान बॉथम और कपिल देव के रूप में चार महान ऑलराउंडर देखे जबकि नई सदी में कैलिस और एंड्रयू फ्लिंटॉफ का जलवा देखने को मिला। लेकिन टी20 क्रिकेट के आने और दुनिया भर में नए नियमों के साथ कई लीग के शुरू होने से हरफनमौलाओं के विकास पर असर पड़ा। कैलिस ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, ''इसका उत्तर देना कठिन है, हरफनमौला खिलाड़ी आपको हर दिन नहीं मिलते। क्रिकेट के इतिहास में बहुत सारे ऑलराउंडर नहीं हैं। बहुत सी चीजें, क्रिकेट की मात्रा भी निश्चित रूप से एक भूमिका निभाती है।'' दक्षिण अफ्रीका का यह पूर्व कप्तान लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेलने के लिए भारत में है।

कैलिस ने इंडियन प्रीमियर लीग का नाम नहीं लिया लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स का यह पूर्व कोच 'इंपैक्ट प्लेयर' नियम का समर्थक नहीं है जहां टीम अपनी बल्लेबाजी या गेंदबाजी पारी के दौरान अपनी जरूरत के अनुसार एक खिलाड़ी को बदल सकती है। उन्होंने कहा, ''कुछ टी20 प्रतियोगिताओं में वैकल्पिक खिलाड़ी होते हैं (आईपीएल) और मैं इसका बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं क्योंकि यह आपकी टीम में ऑलराउंडर की भूमिका खत्म कर देता है। जिन टीमों के पास अच्छे हरफनमौला खिलाड़ी नहीं हैं वे अब 12 खिलाड़ियों के साथ खेल रही हैं। मैं इसका बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं।''

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के मुश्किल दौरे पर रवाना हो गई है। यह टेस्ट खेलने वाला एकमात्र बड़ा देश है जहां भारत ने 31 साल में एक भी टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। भारत इस दौरे पर एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी खेलेगा लेकिन सभी की नजरें दो टेस्ट पर रहेंगी जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा हैं।

दोनों टीमों के स्टार खिलाड़ी (विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, कागिसो रबादा) इस दौरान सिर्फ पांच दिवसीय प्रारूप में खेलेंगे।

जब तक चल सकता हूं, आईपीएल खेलता रहूंगा : हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल

मेलबर्न/भाषा। आस्ट्रेलिया के स्टार हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल ने कहा है कि जब तक वह चल पा रहे हैं, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग आईपीएल में खेलते रहेंगे । पैंतीस वर्ष के मैक्सवेल हाल ही में आस्ट्रेलिया की विश्व कप जीत के नायकों में से एक रहे हैं । वह अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये खेलेंगे । मैक्सवेल ने एएपी से कहा ,'' आईपीएल शायद आखिरी टूर्नामेंट होगा जो मैं खेलता रहूंगा । जब तक मैं चल सकता हूं , आईपीएल खेलता रहूंगा ।'' उन्होंने कहा ,'' मेरे पूरे कैरियर में आईपीएल का काफी योगदान रहा है । जिन लोगों से मैं मिला हूं या जिन कोचों के मार्गदर्शन में खेला है । जिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेला हूं । इससे मुझे बहुत फायदा मिला है ।'' उन्होंने कहा ,'' आपको एबी डिविलियर्स और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ दो महीने खेलने का मौका मिल रहा है । दूसरे मैच देखते समय उनसे बात कर पा रहे हैं । इससे ज्यादा सीखने का मौका क्या हो सकता है ।'' मैक्सवेल का मानना है कि अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को आईपीएल खेलना चाहिये । उन्होंने कहा ,'' उम्मीद है कि कई आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल खेलेंगे । यहां वेस्टइंडीज के समान हालात होंगे और गेंद स्पिन लेगी ।''

सुविचार

छू ले आसमान ज़मीन की तलाश ना कर, जी ले ज़िंदगी ख़ुशी की तलाश ना कर, तकदीर बदल जाएगी खुद ही मेरे दोस्त, मुस्कुराना सीख ले वजह की तलाश ना कर।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत-योग्य फैसला

संगठित अवैध निवेश और कार्य-आधारित अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से ज्यादा वेबसाइटों को केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद बंद कर देने का फैसला स्वागत-योग्य है। इन वेबसाइटों के पीछे छुपे चेहरों को बेनकाब भी किया जाना चाहिए। साइबर ठग आम लोगों को चूना लगाने के लिए नित नए हथकंडे अपना रहे हैं। उनसे सावधान रहने के लिए समय-समय पर सलाह भी जारी की जाती है, लेकिन उनके जाल में फंसने वाले फंस ही जाते हैं। पिछले कुछ महीनों में जो मामले सामने आए हैं, उन पर गौर करें तो अचंभा होता है, क्योंकि ठगों के झांसे में आने वाले ज्यादातर लोग उच्च शिक्षित तबके से हैं। उनमें से कुछ लोग तो ऐसे हैं, जिन पर यह जिम्मेदारी है कि वे अन्य लोगों को साइबर ठगी के जाल से सावधान करें। एक कंपनी में उसकी वेबसाइट और डेटा की सुरक्षा से जुड़े कर्मचारी के पास वॉट्सऐप पर मैसेज आया कि वह दफ्तर में काम के समय के बाद अपने घर से कुछ वीडियो लाइक कर रोज़ाना हजारों रुपए कमा सकता है। उस व्यक्ति ने दिए गए प्रस्ताव की जांच किए बिना ही विश्वास कर लिया। फिर शुरू हुआ लुभाने का खेल। ठगों ने उसे कुछ यूट्यूब वीडियो के लिंक भेजे और उन्हें लाइक करने के लिए कहा। वह वैसा ही करता रहा। अगले दिन उसके पास 300 रुपए आ गए। उसे नया टास्क मिला। उसने फिर वीडियो लाइक किए। इस बार उसे 1,000 रुपए मिले। अब उसके मन में विश्वास हो गया कि वह 'सही' कंपनी से जुड़ा है। वह दिए गए टास्क पूरा करता रहा और इस बात को लेकर खुशी महसूस करता रहा कि उसके खाते में धनवर्षा होने वाली है। कुछ दिन बाद उसके सामने एक और प्रस्ताव पेश किया गया- 'अगर ज्यादा मुनाफा चाहिए तो हमारी एक योजना में धन निवेश कीजिए ... अगले हफ्ते दुगुनी रकम पाइए।' उसने अपनी एफडी तोड़ी, बचत खाते से रकम निकाली और पांच लाख रुपए 'निवेश' कर दिए। यह रकम भेजने के कुछ घंटे बाद उसे वॉट्सऐप व टेलीग्राम समूह से बाहर निकाल दिया गया! उसके पांच लाख रुपए डूब गए।

साइबर ठग शुरुआत में कुछ रुपए देकर लोगों को ललचाते हैं। जब यह सुनिश्चित कर लेते हैं कि 'शिकार' बातों में आ गया है तो उसकी पूरी जमा-पूंजी हड़पने का दांव चलते हैं। प्राय: ऐसे शातिर ठग विदेशों से वेबसाइटों का संचालन करते हैं, ताकि कानून की पकड़ से दूर रहें और जल्द से जल्द धन की निकासी कर लें। ठगी के ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए वेबसाइटों पर ताला लगाना काफी नहीं है। चूंकि जब भी किसी व्यक्ति को फंसाने की कोशिश की जाती है, तो उसमें सोशल मीडिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। पिछले दिनों फेसबुक पर एक पोस्ट चर्चा में आई थी, जिसमें भारतीय यूजर्स को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव दिया गया था कि वे अपने देश के त्योहारों, पर्यटक स्थलों, खानपान, पहनावे आदि से संबंधित जानकारी पोस्ट कर कुछ ही दिनों में 'मालामाल' हो सकते हैं। उसके नीचे कई लोगों की टिप्पणियां मौजूद थीं, जो दिखने में भारतीय प्रतीत हो रहे थे। उनकी टिप्पणियां हिंदी में थीं। उनमें वे दावा कर रहे थे कि हमारे बैंक खातों में हजारों-लाखों रुपए आ गए ... यह काम तो बहुत ही आसान है ... हम इस वेबसाइट से जुड़ने की सिफारिश करते हैं! उन टिप्पणियों को पढ़कर कोई भी सामान्य व्यक्ति झांसे में आ सकता है। हां, जिस किसी ने एक बात पर गौर किया होगा, वह जरूर बच गया होगा। उन टिप्पणियों की भाषा वैसी नहीं थी, जैसी आम लोग लिखते-बोलते हैं। ठगों को पता होगा कि भारत में हिंदी ज्यादा समझी जाती है, इसलिए पहले तो उन्होंने अपनी भाषा में झूठी टिप्पणियां तैयार कीं। फिर इंटरनेट से उनका हिंदी में अनुवाद कर लिया। उस मशीनी अनुवाद ने ठगों की पोल खोल दी। सरकार को चाहिए कि वह सोशल मीडिया मंचों को नसीहत दे कि यूजर्स की सुरक्षा के प्रति गंभीरता दिखाएं; निवेश, अंशकालिक नौकरी, रिव्यू के जरिए धन कमाने और अन्य तरह के प्रलोभन देने वाले अकाउंट्स को तुरंत प्रभाव से बंद करें। ऐसा तंत्र विकसित करें कि प्रलोभन में इस्तेमाल होने वाले खास शब्दों का तुरंत संज्ञान लिया जाए। अगर कोई यूजर बार-बार ऐसी पोस्ट कर रहा है तो उसकी समीक्षा की जाए और संपर्क में आने वाले लोगों को अलर्ट जारी करते हुए उसका अकाउंट बंद कर दिया जाए। भविष्य में उस सिम, आईपी एड्रेस आदि से अन्य अकाउंट बनाने पर भी पाबंदी होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

नेहरू के समय में जो गलतियां हुई थीं, उसका खामियाजा वर्षों तक कश्मीर को उठाना पड़ा। पहली और सबसे बड़ी गलती- जब हमारी सेना जीत रही थी, पंजाब का क्षेत्र आते ही सीजफायर कर दिया गया और पीओके का जन्म हुआ।

-अमित शाह

सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह जी की के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण नमन। 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना को पीठ दिखाकर भागने पर मजबूर करने में उनका जज़्बा प्रेरणादायी है। उनकी शहादत आज भी हमारे जवानों को प्रेरणा देती है।

-ओम बिरला

कांग्रेस ने अपने पाँच सालों में राजस्थान को इस 'कुशासन' के अलावा और कुछ नहीं दिया। बेलगाम अपराध में हत्या और लूट जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। भारतीय जनता पार्टी अपराधियों को दंडित करके 'भयमुक्त राजस्थान' बनाने के लिए कृत संकल्पित है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मातृभाषा का अनुराग

एक बार संत एकनाथ से किसी बात पर नाराज होकर रूढ़िवादियों ने उनके पुत्र हरि पंडित को उनके विरुद्ध यह कहकर भड़काना शुरू कर दिया कि तुम्हारा पिता धर्मग्रंथों का पाठ मराठी भाषा में करता है और किसी के भी हाथ का बना खा-पी लेता है। हरि जब इस बारे में बात करता तो एकनाथ तर्कों से उसे समझाने की कोशिश करते। लेकिन उनकी बातें हरि के गले नहीं उतरतीं। एक दिन वह अपने पिता से बोला कि हम दोनों के सोचने का तरीका बिलकुल भिन्न है। इसलिए जब हम एकमत नहीं हो सकते तो बेहतर है कि मैं घर छोड़ दूं। यह कहकर वह घर से निकल गया और वाराणसी जाकर बस गया। हरि के जाने से उसकी मां गिरिजा दुखी रहने लगीं। उन्होंने एकनाथ से बेटे को वापस बुला लाने की जिद की। हरि इस शर्त पर पैठण वापस आया कि उसके पिता उसकी बात मानेंगे। इसके बाद एकनाथ ने संस्कृत में पाठ करना शुरू कर दिया। इससे उनके श्रोताओं की संख्या घट गई। यह देखकर पुत्र को सच का भान हुआ और अपनी मातृभाषा के प्रति पिता को पुनः अनुराग करने का आग्रह किया।

सामयिक

बौखलाहट है हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना

ललित गर्ग

मो.: 9811051133

उत्तर भारत मे 'गौमाता' पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से कांग्रेस को किनारा करना, उसकी सूझबूझ एवं विवेक से ज्यादा विवशता है। यही कारण है महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताई और इसे अफसोसजनक बताया।

तीन राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं शानदार जीत से इंडिया गठबंधन के विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। इसी बौखलाहट का नतीजा है तमिलनाडु की सत्ताधारी दल डीएमके पार्टी के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के द्वारा संसद में हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना। उनके ऐसा बोलते ही संसद से लेकर बाहर के राजनीतिक गलियारों में हंगामा खड़ा हो गया। भाजपा ने सेंथिलकुमार के इस बयान का विरोध किया तो सांसद ने माफी मांग ली और लोकसभा की कार्यवाही से उनका बयान अब हटा दिया गया है। साथ ही कांग्रेस ने भी उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड़यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है।

गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें 'गौमाता' कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती है तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं। गाय का दूध अमृत तुल्य होता है। न केवल गाय का दूध बल्कि समस्त गौ-उत्पाद भी अमूल्य है। इन दिव्य अमृत पंचगव्य का उपयोग यज्ञ, आध्यात्मिक अनुष्ठानों, बीमारी से निजात पाने और संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए किया जाता है। इसलिये गौमाता को आधार बनाकर भाजपा की जीत पर हमला करने की यह कुचेष्टा न केवल मानसिक दिवालियापन है बल्कि इससे भारत की जनभावनाएं आहत एवं लहूलुहान हुई है। गौमाता पर की गयी यह टिप्पणी एक सम्पूर्ण परम्परा एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा है। ऐसी कुचेष्टाएं एवं साजिशें पूर्व में भी हुई है। तब भी गौमाता की तरह ही सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानों से देश को तोड़ने की षडयंत्र हुआ। तब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया, और कोविड से करते हुए असंख्य सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात किया था। उनकी ही पार्टी डीएमके के सांसद ए राजा ने तो हदें ही लांघते हुए हिंदू धर्म को 'न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप तक कह दिया था।' इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद संभला नहीं तो उन्होंने सफाई दी, माफी मांग ली। अपनी कहीं बातों से किनारा पाने की इस बार भी तरह पूर्व में चेष्टा हुई, ये स्थितियां भारतीय राजनीति की विडम्बना एवं विसंगति है। कांग्रेस की हार का कारण ऐसी विसंगतियां ही बनती रही है। प्रश्न है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी क्या उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं? तीन राज्यों में से दो राज्यों राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में ही इन चुनावों से पहले उसी की सरकारें थी। क्या हिन्दी राज्यों का अपमान एवं तिरस्कार करते हुए कांग्रेस आगे बढ़ने की सोच भी सकती है? कांग्रेस कब तक देश को विघटित करने की राजनीति करती रहेगी? क्योंकि कांग्रेस के दबदबे वाली इंडिया गठबंधन में भी डीएमके एक अहम साझेदार है।

उत्तर भारत मे 'गौमाता' पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से कांग्रेस को किनारा करना, उसकी सूझबूझ एवं विवेक से ज्यादा विवशता है। यही कारण है महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताई और इसे अफसोसजनक बताया। उन्होंने खुद को सनातनी कहा है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी कहा कि डीएमके की राजनीति अलग है। कांग्रेस उनकी राजनीति से सहमत नहीं है। कांग्रेस 'सनातन धर्म' और 'गौमाता' में भी विश्वास करती है।' क्या कांग्रेस का यह विश्वास सच्चा विश्वास है या वोट हासिल करने का हथियार मात्र है। इंडिया गठबंधन से जुड़े एक खास दल ने सनातनी परंपरा एवं हिन्दू भाषी राज्यों का बहुत बड़ा निरादर किया है। सनातनी परंपरा, सनातनियों एवं हिन्दू राज्यों का इस तरह का अपमान देश कैसे बर्दाश्त करेगा? निश्चित ही देश की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले दलों एवं नेताओं को जनता मुंहतोड़ जवाब देती है और देती रहेगी। आखिर सवाल यह भी है कि हिंदी या हिंदी भाषी राज्यों के विरोध में डीएमके पार्टी एवं उसके नेता किस हद तक गिरेंगे। हिंदी भाषी राज्यों को लेकर मन में यह दुराग्रह से आखिर क्या हासिल होने वाला है। इससे फायदे की जगह नुकसान ही होता है। डीएमके नेता सीधे-सीधे हिंदी भाषी प्रांतों में रहने वाले लोगों का अपमान कर रहे हैं।

भाजपा की जीत जनभावनाओं की जीत है और जीत का यह विजय रथ हिन्दी भाषी राज्यों के साथ-साथ दक्षिण भारत में भी विजय-पताका फहराते हुए आगे बढ़ रहा है। तेलगांना में एक सीट से 8 तक आगे बढ़ी है, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भाजपा अपने होने का अहसास करा रही है, कोई आश्चर्य नहीं कि वहां पैर जमाते हुए भाजपा की सरकारें भी बनने लगे। कर्नाटक में तो उसने लम्बे समय तक शासन किया है। तीन राज्यों की ऐतिहासिक जीत से भाजपा का मनोबल जहां बढ़ा है वही इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस का मनोबल गिरा है। भाजपा एवं मोदी की सोच, नीतियां, योजनाएं एवं दृष्टिकोण की जीत पर विपक्षी दलों की ये ओछी प्रतिक्रियाएं उसे अधिक बलशाली ही बनायेगी। आदिवासी विकास का संकल्प, महिलाओं की भूमिका और 33 प्रतिशत आरक्षण का आश्वासन, समान नागरिक संहिता, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास, युवाओं के लिये रोजगार, विश्वगुरु बनाने की कार्ययोजना, देश की सुरक्षा एवं साख जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक उपक्रम का मोदी ही दम रखते जान पड़ते हैं। देश को आगे बढ़ाना है तो तुष्टीकरण, धर्म एवं संस्कृति को आहत करने की विकृत मानसिकता और भ्रष्टाचार से मुक्त होना आवश्यक है। मोदी ही गारण्टी की गारण्टी हैं, लेकिन इसमें अहंकार नहीं है, मोदी ने अपनी जगह पार्टी एवं देश की जनता को ही प्रमुखता दी, देश की जनता को हमेशा आगे रखा है। उन्होंने चुनावी सभाओं में साफ कहा कि पार्टी का चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि कमल का फूल है, साफ-सुथरी नीतियां है, देश को सशक्त बनाने का संकल्प है। निश्चित ही इस बार के चुनाव परिणाम सनातन भारत को मजबूती देने वाले है, सनातन का अर्थ सच्चा भारत, सच्ची मानवीयता एवं उदात्त जीवन मूल्य। यही कारण है कि इसी सनातन के शिखर गौमाता को आधार बनाकर डीएमके पार्टी ने अपनी बौखलाहट को उजागर कर राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाया है।

भारतीय न्याय व्यवस्था ने भी समय-समय पर ऐसे विवादास्पद एवं आपत्तिजनक मामलों में कहा है कि जब धर्म एवं आस्था को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। गौमाता एवं सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है। वोट बैंक एवं तथाकथित राजनीति स्वार्थों के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल देश के लिए घातक है। इस तरह के आधारहीन विवादों को उछालने वाले डीएमके पार्टी जैसे राजनीतिक दल एवं नेता उजालों पर कालिख पोतने का ही प्रयास करते हैं। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक सोच से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने वाली कुचेष्टाएं करने वालों की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख पाते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। तरस आता है समाज में बिखराव करने वाले ऐसे लोगों की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर सागर की यात्रा करना चाहते हैं।

ज्ञान विज्ञान

अंतरिक्ष में महाविनाशक स्पीड से घूम रहा ब्लैक होल

हमारी आकाशगंगा के केंद्र में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल है, जिसे सैजिटेरियस ए के नाम से जाना जाता है। अब इसे लेकर एक नया खुलासा हुआ है। नई स्टडी के मुताबिक यह इतना तेज घूम रहा है कि यह अपने चारों ओर के स्पेस-टाइम को बदल दे रहा है। स्पेस-टाइम चार आयामी फैब्रिक है, जो अंतरिक्ष में ग्रहों और सितारों जैसी बड़ी वस्तुओं के चारों ओर झुकता है। भौतिकविदों की एक टीम ने नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी के जरिए ब्लैक होल का अवलोकन किया, जो पृथ्वी से 26,000 प्रकाशवर्ष की दूरी पर है।

चंद्र एक्स रे ऑब्जर्वेटरी अंतरिक्ष में मौजूद एक दूरबीन है, जिसे ब्रह्मांड के गर्म क्षेत्रों से एक्स-रे उत्सर्जन का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने ब्लैक होल के चारों ओर घूम रही सामग्री से रेडियो तरंगों और एक्स-रे उत्सर्जन की जांच की। इसे अभिवृद्धि डिस्क के रूप में जाना जाता है। इस पद्धति से उन्हें सैजिटेरियस ए की घूर्णन गति की गणना में मदद मिली। इससे जुड़ा निष्कर्ष 21 अक्टूबर को रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस में प्रकाशित हुआ था।

शोधकर्ताओं ने पुष्टि की है कि ब्लैक होल घूम रहा है, जिसे लेंस थिरिंग प्रभाव के रूप में जाना जाता है। स्टडी के मुख्य लेखक और पेन स्टेट यूनिवर्सिटी में भौतिकी के प्रोफेसर रुथ डेली ने कहा, 'लेंस-थिरिंग प्रभाव तब होता है जब एक ब्लैक होल अपने घूमने के साथ स्पेस-टाइम को खींचता है।' एक दशक पहले उन्होंने बहिर्प्रवाह विधि तैयार की थी। उन्होंने कहा, 'इस स्पिन के साथ सैजिटेरियस ए अपने आसपास के क्षेत्र में नाटकीय तरीके से स्पेस टाइम में बदलाव कर रहा है।'

वह उदाहरण देकर कहते हैं, 'हम एक ऐसी दुनिया में रहने के आदी हैं, जहां सभी स्थानिक आयाम बराबर हैं। जहां छत, दीवार और फर्श के बीच की दूरी रैखिक और समान लगती है। आपस में यह किसी को भी नहीं बदलतीं। लेकिन ब्लैक होल का तेजी से घूमना इसे ही बदल दे रहा है। यह अपने आसपास के स्पेस टाइम को चारों ओर ले लेता है, जिससे यह देखने में फुटबॉल जैसा लगेगा।' डेली ने कहा कि स्पेस-टाइम में बदलाव के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं। लेकिन यह घटना खगोलविदों के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

मंथन

सत्ता के लिए शक्ति प्रदर्शन में जुटी वसुंधरा?

रमेश सर्राफ धमोरा

मो.: 9414255034

राजस्थान विधानसभा के चुनाव में भाजपा को 115 सीटों का पूर्ण बहुमत मिलने के बाद वहां अब मुख्यमंत्री पद को लेकर जोर आजमाईस शुरू हो गई है। राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा इसको लेकर दिल्ली में बैठकों का दौर जारी है। वही पार्टी नेता मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी-अपनी लाबिंग में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका फैसला तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही करेंगे। लेकिन राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया भी मुख्यमंत्री पद की रेस में अपनी दावेदारी मजबूती से जता रही है। चुनावी नतीजे घोषित होने के बाद वसुंधरा राजे ना तो स्वयं दिल्ली गई ना ही उन्हें दिल्ली से किसी बड़े नेता ने बुलाकर चर्चा की। वसुंधरा राजे सिंधिया जयपुर स्थित अपने आवास पर भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों से मिलकर उनका समर्थन जुटा रही है। चर्चा है कि वसुंधरा राजे से अब तक करीबन 30 विधायकों की चर्चा मुलाकात हो चुकी है। वैर से विधायक बने बहादुर सिंह कोली व नसीराबाद से चुनाव जीते रामस्वरूप लांबा ने खुलकर वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। मालवीय नगर से विधायक कालीचरण सर्राफ भी वसुंधरा की पैरवी करते नजर आ रहे हैं।

डीडवाना से निर्दलीय चुनाव जीते यूनुस खान जिनका भाजपा ने इस बार टिकट काट दिया था। उसके बाद भी वह निर्दलीय चुनाव जीतने में सफल रहे। वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी लाबिंग में लगे हुए हैं। लोगों का कहना है कि वसुंधरा समर्थक होने के चलते ही यूनुस खान का टिकट काटा गया था और अब वह फिर से वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनवाकर अपनी धमक दिखाना चाहते हैं। यूनुस खान वसुंधरा राजे की दोनों बार की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2013 से 18 के वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में यूनुस खान, कालीचरण सर्राफ, अशोक परनामी, राजपाल सिंह शेखावत, प्रताप सिंह सिंघवी जैसे लोगों की एक चौकड़ी बनी हुई थी। जो वसुंधरा राजे को हर वक्त घेरे रहती थी। इसी चौकड़ी के कारण वसुंधरा राजे आमजन से कट गई थी। स्थिति यहां तक आ गई थी कि उस दौरान कई वरिष्ठ विधायकों की लगातार प्रयास के उपरांत भी महीनों तक वसुंधरा राजे से मुलाकात नहीं हो पाती थी। वसुंधरा राजे के सिपाहसालारों के मनमाने फैसलों के चलते ही 2018 में भाजपा को करारी हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद से ही वसुंधरा राजे भाजपा में साइड लाइन कर दी गई थी। अब वसुंधरा राजे का पूरा प्रयास है कि कैसे भी करके विधायकों का समर्थन प्राप्त कर तीसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बना जाए। यदि इस बार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनने से चूक जाती है तो फिर उन्हें राजनीति के बियाबान में जाने से कोई नहीं रोक सकेगा। जयपुर में वसुंधरा राजे द्वारा भाजपा विधायकों से फेस टू फेस बातचीत करने के घटनाक्रम पर भाजपा आलाकमान पूरी नजर रखे हुए हैं। मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल अन्य कई नेताओं का मानना है कि पार्टी के विधायक पार्टी के किसी भी नेता से मिलने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन मुख्यमंत्री वही बनेगा जिनका नाम आलाकमान द्वारा घोषित किया जाएगा। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर वसुंधरा राजे के अलावा विद्याधर नगर सीट पर सबसे अधिक वोटो से जीतने वाली राजसमंद की सांसद दीया कुमारी, झोटवाड़ा से विधायक बने जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, केंद्र सरकार में जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राज्यसभा सांसद व सवाई माधोपुर से विधायक बने डॉक्टर किरोडी लाल मीणा, केंद्र सरकार में कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, संघ से जुड़े पूर्व संगठन महासचिव प्रकाश चंद्र अग्रवाल, ओम माथुर, तिजारा से नवनिर्वाचित विधायक व अलवर के सांसद बाबा बालक नाथ सहित करीबन एक दर्जन नेताओं के नाम चर्चा में है। भाजपा में यह तो तय है कि मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसका नाम दिल्ली में बैठ बड़े नेता तय करेंगे। मगर मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे सशक्त दावेदार बनकर उभरी वसुंधरा राजे सिंधिया को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात का अच्छे से पता है कि राजस्थान भाजपा में आज भी वसुंधरा राजे से बड़ा कोई लोकप्रिय चेहरा नहीं है। अगले पांच महीनो के बाद लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। जिसको प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा उनके कंधों पर लोकसभा चुनाव जीतवाने की जिम्मेदारी भी होगी। 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की सभी 25 सीटों पर जीतती आ रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री पद के चयन पर लोकसभा चुनाव की छाप भी देखी जाएगी।

हालांकि भाजपा को पर्याप्त बहुमत मिलने के कारण फिलहाल तो मुख्यमंत्री पद के लिये जिसका भी नाम तय किया जाएगा उसे सभी विधायक स्वीकार कर लेंगे। लेकिन देर सवेर पार्टी के अंदर वसुंधरा राजे के रूप में एक चिंगारी धधकती रहेगी। जिसे जब भी हवा मिलेगी तब उसे शोला बनते देर नहीं लगेगी। विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे के काफी समर्थक चुनाव जीते हैं। चुनावों के दौरान उन्होंने करीबन 40 से अधिक विधानसभा क्षेत्र में प्रचार किया था। जिनमें से बड़ी संख्या में विधायक जीत कर आए हैं। हालांकि पार्टी आलाकमान ने वसुंधरा के समय चर्चित चौकड़ी में शामिल रहे यूनुस खान, राजपाल सिंह शेखावत, अशोक परनामी, कैलाश मेघवाल जैसे बड़े नेताओं का टिकट काटकर उन्हें पार्टी की मुख्य धारा से अलग-थलग कर दिया है। वहीं नरपत सिंह राजवी चित्तौड़गढ़ सीट पर अपनी जमानत जब्त करवाकर प्रभावहीन बन चुके है। मगर यही सब लोग आज भी वसुंधरा राज्य के खास सलाहाकार बने हुए हैं तथा उन्ही की सलाह पर वसुंधरा राजे राजनीति कर रही है।

अगले कुछ दिनों में राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव हो जाएगा। इसके बाद ही पता चलेगा कि वसुंधरा राजे नेता बनती है या अन्य किसी नेता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी जाती है। भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे को किस तरह शांत रख पायेगा इसका पता तो आने वाले कुछ दिनों में ही चल पाएगा। बहरहाल वसुंधरा राजे आज भी मुख्यमंत्री पद की रेस में सबसे आगे नजर आ रही है। यदि वक्त ने उनका साथ दिया तो उनका मुख्यमंत्री बनना तय लग रहा है। क्योंकि प्रदेश की राजनीति में जितनी स्वीकार्यता वसुंधरा राजे की है उतनी भाजपा के अन्य किसी भी नेता की नहीं है। आज मुख्यमंत्री कि दौड़ में शामिल अधिकांश नेताओं को कभी ना कभी वसुंधरा राजे ने ही राजनीति में आगे बढाया था। वैसे राजनीति को सम्भावनावों का खेल कहा जाता है। यहां एन वक़्त पर कब क्या हो जाये किसी को पता नहीं रहता है। चेला चीनी बन जाता है और गुरु गुड़ ही रह जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शनी

रांची में बुधवार को सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में राजपूत करणी सेना के सदस्य प्रदर्शन करते हुए।

'लोकतांत्रिक देशों को 'आंतरिक ताकतों' पर भी गौर करना चाहिए'

नई दिल्ली/भाषा। तिब्बत की निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति पेंपा त्सेरिंग ने कहा है कि तिब्बती लोग चीन के दमन के कारण 'धीमी मौत मर रहे हैं' और लोकतांत्रिक देशों को चीनी हठधर्मिता के खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

त्सेरिंग ने कहा कि दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों को तिब्बतियों, उइगर नेताओं और हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं जैसी 'आंतरिक ताकतों' पर गौर करना चाहिए ताकि बीजिंग पर उसके आक्रामक दृष्टिकोण को बदलने और देश के भीतर 'सकारात्मक बदलाव' लाने के लिए दबाव डाला जा सके। उन्होंने कहा कि चीन के रणनीतिक उद्देश्यों और योजनाओं की हद को लेकर दुनिया में ज्यादा समझ नहीं है और बीजिंग की साजिशें क्या हैं, इस बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है।

पंचेन लामा पर एक जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान निर्वासित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के सिक्योंग या राजनीतिक नेता ने चीन पर तिब्बत के अस्तित्व के ऐतिहासिक आधार को नष्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने मंगलवार रात को कहा कि मैं दुनिया को बता रहा हूं कि 'हम धीमी मौत मर रहे हैं, ड्रैगन (चीन) द्वारा हमारी सांसें निचोड़े जाने से हम त्रस्त हो रहे हैं।''

चीन विरोधी विद्रोह के 1959 में असफल होने के बाद 14वें दलाई लामा तिब्बत से भागकर भारत आ गए और यहां उन्होंने निर्वासित सरकार की स्थापना की। चीन सरकार के अधिकारी और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधि 2010 के बाद से औपचारिक वार्ता के लिए नहीं मिले हैं।

बीजिंग दलाई लामा पर 'अलगाववादी' गतिविधियों में शामिल होने और तिब्बत को विभाजित करने की कोशिश करने का आरोप लगाता रहा है और उन्हें एक विभाजनकारी व्यक्ति मानता है। हालांकि, तिब्बती आध्यात्मिक नेता ने जोर देकर कहा है कि वह स्वतंत्रता की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि 'मध्य-मार्ग दृष्टिकोण' के तहत 'तिब्बत के तीन पारंपरिक प्रांतों में रहने वाले सभी तिब्बतियों के लिए वास्तविक स्वायत्तता' की मांग कर रहे हैं।

त्सेरिंग ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि चीनी सरकार आर्थिक और राजनीतिक मोर्चों सहित विभिन्न घरेलू चुनौतियों का सामना कर रही है और उस देश के भीतर 'सकारात्मक बदलाव' लाने के लिए 'आंतरिक और बाहरी ताकतों का मिलन' होना चाहिए। उन्होंने तिब्बतियों, उइगर नेताओं और हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं को आंतरिक ताकतों के रूप में चिह्नित किया जिनकी चीन और उसकी कम्युनिस्ट सरकार से गहरे मदभेद हैं।

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में स्थित तिब्बत की निर्वासित सरकार लगभग 30 देशों में रहने वाले एक लाख से अधिक तिब्बतियों का प्रतिनिधित्व करती है।

चीन की आंतरिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए त्सेरिंग ने दावा किया कि यह एकमात्र देश है जो बाहरी सुरक्षा की तुलना में आंतरिक सुरक्षा पर अधिक वित्तीय संसाधन खर्च करता है क्योंकि कम्युनिस्ट शासन को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, '' हम आंतरिक ताकते हैं। सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आंतरिक और बाह्य शक्तियों का मिलन होना चाहिए। इसीलिए मैं सरकारों से कहता हूं, कृपया हमें साम्यवाद के पीड़ितों के नजरिए से न देखें, जिन पर आप केवल दया कर सकते हैं।''

सम्मानित

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार को सरायकेला-खरसावां में 'आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए।

वैज्ञानिकों ने चेताया-दुनिया जलवायु परिवर्तन की पांच महत्वपूर्ण सीमाओं को पार करने के कगार पर

दुबई/भाषा। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में 200 वैज्ञानिकों की टीम ने बुधवार को जारी एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट में आगाह किया कि मौजूदा तापमान वृद्धि के कारण पृथ्वी पर जीवन के लिए महत्वपूर्ण पांच महत्वपूर्ण सीमाओं के पार कर जाने का खतरा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, दुबई में अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन (सीओपी28) में जारी की गई ''ग्लोबल टिपिंग पॉइंट्स'' रिपोर्ट प्राकृतिक प्रणालियों की सीमाओं पर किया गया अब तक का सबसे गहन मूल्यांकन है। यह 26 महत्वपूर्ण बिंदुओं की पहचान करता है, जिनमें क्रायोस्फीयर (हिमखंड) जैसे पांच महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं, जो जलवायु परिवर्तन के मौजूदा स्तर के कारण पहले से ही खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पांच प्रमुख बिंदुओं में ग्रीनलैंड और पश्चिमी अंटार्कटिक में बर्फ की चादरें, उत्तरी अटलांटिक उपध्रुवीय गायर सर्कुलेशन, गर्म पानी की मूंगा चट्टानें और कुछ पर्माफ्रॉस्ट क्षेत्र हैं। ब्रिटेन के एक्सेटर विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी प्रणाली विज्ञान के अध्यक्ष और रिपोर्ट के प्रमुख लेखक प्रोफेसर टिम लेनन ने कहा, ''ये महत्वपूर्ण बिंदु बहुत बड़े पैमाने पर खतरे पैदा करते हैं जिनका मानवता ने पहले कभी सामना नहीं किया है।'

' एक सकारात्मक बात यह है कि रिपोर्ट सामाजिक प्रगति में संभावित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालती है, जैसे कि नवीकरणीय ऊर्जा की वृद्धि। एक्सेटर विश्वविद्यालय के डॉ. स्टीव स्मिथ ने कहा कि जिस तरह बदलाव के लिए नकारात्मक बिंदु होते हैं, उसी तरह सकारात्मक बिंदु भी एक-दूसरे को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए, जैसे-जैसे हम उस निर्णायक बिंदु को पार करते हैं, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन सड़क परिवहन का प्रमुख रूप बन जाते हैं, बैटरी तकनीक लगातार बेहतर और सस्ती होती जा रही है।'' नॉर्वे के ओस्लो विश्वविद्यालय में गवर्नेंस लीड रिसर्च फेलो मंजना मिल्कोरिट ने कहा, ''जैसे ही हम 1.5 डिग्री सेल्सियस पार करेंगे, इन बिंदुओं को पार करने के प्रयासों के उल्लंघन को रोकने के उपाय उपलब्ध नहीं रहेंगे।''

तालिबान की अपमानजनक शैक्षणिक नीतियां लड़कों को भी पहुंचा रही हैं नुकसान

इस्लामाबाद/एपी

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन 'ह्यूमन राइट्स वॉच' की बुधवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान की ''अपमानजनक'' शैक्षणिक नीतियां अफगानिस्तान में लड़कियों के साथ ही लड़कों को भी नुकसान पहुंचा रही हैं।

तालिबान की लड़कियों और महिलाओं के माध्यमिक स्कूल और विश्वविद्यालय जाने से रोक लगाने की दुनियाभर में निंदा की जाती है लेकिन मानवाधिकार समूह ने कहा कि लड़कों की शिक्षा पर पड़े गहरे असर पर काफी कम ध्यान दिया गया है। महिलाओं सहित योग्य शिक्षकों को हटाए जाने, पाठ्यक्रम में प्रतिगामी बदलाव और शारीरिक दंड बढ़ने से छात्रों में स्कूल जाने को लेकर डर पैदा हुआ और उनकी उपस्थिति कम हो गयी। तालिबान ने लड़कों के स्कूलों से सभी महिला शिक्षिकों को बर्खास्त कर दिया जिससे लड़कों को अयोग्य लोगों द्वारा पढ़ाया जाता है या उनकी कक्षाओं में कोई शिक्षक ही नहीं होता है।

लड़कों और अभिभावकों ने मानवाधिकार समूह को शारीरिक दंड में वृद्धि के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि अधिकारी बाल काटने या कपड़ों को लेकर या मोबाइल फोन को लेकर स्कूल में मौजूद सभी लोगों के सामने लड़कों की पिटायी करते हैं।

तालिबान ने कला, खेल, अंग्रेजी और नागरिक शिक्षा जैसे विषय हटा दिए हैं। रिपोर्ट लिखने वाली सहर फितरत ने कहा, ''तालिबान लड़कियों के साथ-साथ लड़कों के लिए अफगान शिक्षा प्रणाली को अपूरणीय क्षति पहुंचा रहे हैं। देश में पूरी स्कूल प्रणाली को नुकसान पहुंचाकर, वे एक पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित करने का जोखिम पैदा कर रहे हैं।'' तालिबान सरकार के प्रवक्ता की इस रिपोर्ट पर टिप्पणी उपलब्ध नहीं हो पायी है। तालिबान मदरसों या धार्मिक स्कूलों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही बुनियादी साक्षरता पर इस्लामिक ज्ञान को तरजीह दे रहा है।

कृति सेनन ने अपने प्रोडक्शन 'दो पत्ती' का मनाली शेड्यूल किया पूरा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने मनाली में अपने पहले प्रोडक्शन 'दो पत्ती' का शेड्यूल पूरा कर लिया है और फिल्म की शूटिंग के कुछ 'बिहाइंड द सीन्स' शेयर किए हैं। एक्ट्रेस अब अपने पहले प्रोडक्शन के साथ दर्शकों के लिए नई कहानियां लाने के लिए तैयार है, जो कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह अपने टैलेंट का प्रदर्शन करेगी। कृति ने सोशल मीडिया पर निर्देशक और क्रू के साथ कुछ रेंडम वीडियो शेयर किए।

उन्होंने अपने प्यारे दोस्त, डिलीशियस जलेबी और बर्फ से ढके पहाड़ों की भी झलक दिखाई। तस्वीरों और वीडियो की सीरीज के साथ, उन्होंने कैप्शन में लिखा, मनाली.. बेहद खूबसूरत हैं! यह 'दो पत्ती' के लिए एक शेड्यूल रैप है!! कूल वेदर, वार्म हार्ट्स! पैशनेट लोग.. कुछ जादू पैदा करने की कोशिश कर रही हैं यादें! इतना शानदार शेड्यूल, ग्रेट टीम को धन्यवाद! फिल्म का निर्माण उनके प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स ने किया है। कृति आखिरी बार 'गणपत' में नजर आई थीं। उनके पास पाइपलाइन में 'द क्रू' भी है।

फिल्म 'जिगरा' में जोरदार एक्शन करती नजर आयेंगी आलिया भट्ट

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट अपनी आने वाली फिल्म जिगरा में जोरदार एक्शन करती नजर आयेंगी। करण जौहर के प्रोडक्शल हाउस धर्मा प्रोडक्शंस के तले फिल्म जिगरा बनायी जा रही है।फिल्म जिगरा का निर्देशन वासन बाला कर रहे हैं।आलिया इस फिल्म से बतौर सह-निर्माता भी जुड़ी हैं। फिल्म जिगरा की शूटिंग अक्टूबर में शुरू हुई थी जो इन दिनों मुंबई में जारी है। आलिया इस फिल्म के लिए एक्शन ट्रेनिंग लेती हैं। इस फिल्म में आलिया अपने भाई की रक्षा करती नजर आएंगी। जिगरा में आलिया के भाई के रोल में वेदांग रैना हैं। बताया जा रहा कि फिल्म जिगरा में आलिया का एक्शन रियलिस्टिक लगे इसके उन्होंने शूटिंग से पहले काफी बारस्केटबॉल खेला है।इस फिल्म को वासन बाला बना रहें हैं। जिगरा 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कैंसर से जूझ रहे जूनियर महमूद से मिलने पहुंचे जितेंद्र

मुंबई/एजेन्सी

जूनियर महमूद कैंसर की चौथी स्टेज में हैं। कुछ दिन पहले अभिनेता जॉनी लीवर ने जूनियर महमूद से मुलाकात की थी और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। अब जितेंद्र और एक्टर सचिन पिलगांवकर ने भी जूनियर महमूद से मुलाकात की है। जूनियर महमूद को देखकर जितेंद्र भावुक हो गए। जूनियर महमूद ने अपने पुराने दोस्तों, दिग्गज अभिनेता जितेंद्र और सचिन पिलगांवकर से मिलने की इच्छा जाहिर की थी। इसके बाद जितेंद्र और सचिन पिलगांवकर जूनियर महमूद से मिलने पहुंचे। जूनियर महमूद के स्वास्थ्य के बारे में पूछते समय जितेंद्र की आंखे नम हो गई। सचिन पिलगांवकर ने जूनियर महमूद से वीडियो कॉल पर बातचीत भी की। इसके बाद वह जूनियर महमूद से मिलने भी गए।

सचिन पिलगांवकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने फैन्स से जूनियर महमूद के जल्द ठीक होने के लिए दुआ करने को कहा। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप मेरे बचपन के दोस्त जूनियर महमूद के लिए प्रार्थना करें जो बीमारी से पीड़ित हैं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे वीडियो कॉल पर बातचीत की थी और आज उन्हें देखने गया लेकिन वह सो रहे थे'। कुछ दिन पहले सलाम काजी ने कहा था, 'जूनियर महमूद दो महीने से बीमार थे। पहले तो हमने सोचा कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कोई छोटी-मोटी समस्या होगी लेकिन फिर अचानक उनका वजन कम होने लगा और जब मेडिकल रिपोर्ट आई तो कहा गया ये कैंसर था'। जूनियर महमूद ने फिल्म कारवां में जितेंद्र के साथ काम किया था। इस फिल्म में उन्होंने जितेंद्र के छोटे भाई का किरदार निभाया था। उन्होंने कई भाषाओं में 200 से अधिक फिल्मों में भी अभिनय किया है। इनमें ब्रह्मचारी (1968), मेरा नाम जोकर (1970), परवरिश (1977) और दो और दो पांच (1980) जैसी हिट फिल्में शामिल हैं।

जाह्नवी कपूर ने 'द आर्चीज' के लिए खुशी कपूर को शुभकामना दी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म 'द आर्चीज' के लिये अपनी बहन खुशी कपूर को शुभकामना दी है। फिल्म 'द आर्चीज' के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा डेब्यू करेंगे।

जान्हवी कपूर ने द आर्चीज के लिए अपनी बहन खुशी कपूर को बधाई एवं शुभकामना दी है।जान्हवी कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर अपनी बहन ख़ुशी के साथ एक तस्वीर साझा की। तस्वीर में जान्हवी अपनी बहन खुशी को गले लगाती हुई दिखाई दे रही है।जान्हवी ने तस्वीर को कैप्शन दिया,मेरे जीवन की सनशाइन और अब सिनेमा की सनशाइन। आप जादुई हैं। 'द आर्चीज' फिल्म की कहानी कॉमिक बुक कैरेक्टर आर्ची एंड्रयूज और उसके दोस्तों पर आधारित है। जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म 'द आर्चीज' 07 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'द आर्चीज' शरद देवराजन और रीमा कागती द्वारा टाइगर बेबी और ग्राफिक इंडिया के बैनर तले बनाई गयी है।

फिल्म 'दत्तक पुत्र' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की आने वाली फिल्म दत्तक पुत्र का ट्रेलर रिलीज हो गया है। एबी 5 मल्टीमीडिया के बैनर से बनी फिल्म दत्तक पुत्र में यश कुमार ने दत्तक पुत्र की भूमिका निभाई है।इस फिल्म के निर्माता विनोद कुमार गुप्ता और निर्देशक प्रमोद शास्त्री हैं। इस फिल्म में यश कुमार के साथ लीड रोल में शुभी शर्मा हैं। दत्तक पुत्र का ट्रेलर वर्ल्ड वाइड रिकॉर्ड भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है।फिल्म दत्तक पुत्र की कहानी शुरू होती एक बेटे द्वारा पिता का पैर दबाने से।यह फिल्म पिता और दत्तक पुत्र के भावपूर्ण रिश्तों की कहानी है, जिसका नेतृत्व यश कुमार कर रहे हैं।यश कुमार ने कहा कि यह एक अलग तरह के रिश्ते पर आधारित फिल्म है। हम सबों ने इस पर बेहद मेहनत की है और एक शानदार फिल्म बनाई है। अब यह दर्शकों को तय करना है कि फिल्म उन्हें कैसी लगी।अभी एक झलक आई है, फिल्म भी जल्द ही रिलीज होगी और दर्शकों से आग्रह करुँगा कि आप सभी अपने परिवार के साथ इस फिल्म को अपना समझकर आनंद लें। फिल्म दत्तक पुत्र में यश कुमार, शुभी शर्मा और देव सिंह के साथ, विनोद मिश्रा,शैलेन्द्र श्रीवास्तव, समर्थ चतुर्वेदी, मनीष चतुर्वेदी, राधे खान, ग्लोरीमोहन्ता, बब्लू खान, शिवेश तिवारी, रुबेश यादव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के डायलॉग एस.के. चौहान ने लिखा है। डीओपी जगमिंदर सिंह हुंदल (जग्गी) हैं। संगीतकार आज़ाद सिंह और राम प्रवेश ठाकुर हैं। कोरियोग्राफर संजय कोर्वे हैं। एक्शन दिनेश यादव का है। संपादक प्रकाश झा है। लाइन प्रोड्यूसर आनंद आर श्रीवास्तव और कार्यकारी निर्माता अरशद खान हैं।

फिल्म 'औरों में कहां दम था!' अगले साल होगी प्रदर्शित

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्माता नीरज पांडे की रोमांटिक मूवी 'औरों में कहां दम था!'अगले साल 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। अजय देवगन और तब्बू अभिनीत इस फिल्म को एक अनोखी संगीतमय प्रेमकथा के रूप में पेश किया जाएगा। गोल्डन ग्लोब पुरस्कार विजेता संगीतकार एमएम करीम फिल्म के लिए मूल संगीत की रचना करेंगे। मुंबई में बड़े पैमाने पर फिल्माई गई इस फिल्म में जिमी शेरगिल, साई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म नीरज पांडे की फिल्म निर्माण कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स द्वारा समर्थित और शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत, रिलायंस एंटरटेनमेंट और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित हैं। एनएच स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत की जाएगी फिल्म ''औरों में कहां दम था !''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | गुरुवार | 07-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस कर्नाटक युवा शाखा मानवसेवा अभियान के तहत बेंगलूरु, मैसूरु, हुब्बल्ली, रामनगर, दोड्डबालापुर, अरसीकेरे, बाणावर, केजीएफ, चामराजनगर, टीपटूर, कलबुर्गी, शिव्वमोग्गा आदि क्षेत्र में एक हजार जरूरतमंदों को कम्बल वितरण करेगी जिसका शुभारंभ कार्यक्रम गणेशबाग से हुआ। हजार कम्बल वितरण का लाभ बाबूलाल अशोकुमार रांका परिवार ने लिया है।

बीएचईएल ईडीएन को बिजनेस एक्सीलेंस प्लेटिनम मान्यता प्राप्त हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बीएचईएल-इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन (ईडीएन) को भारतीय उद्योग परिसंघ के सीआईआई-एक्ज़िम बैंक अवार्ड फॉर बिजनेस एक्सीलेंस-2023 में प्रतिष्ठित प्लेटिनम मान्यता से सम्मानित किया गया है। ईडीएन टीम के बीएचईएल के कार्यकारी निदेशक ईडीएन श्याम बाबू, एचओडी-क्वालिटी सरवनन, अतिरिक्त जीएम-क्वालिटी बी. सविता एवं प्रबंधक-गुणवत्ता बी. जनार्दन राव, ईआर एंड डी और वित्त-अतिरिक्त प्रभार व निदेशक जयप्रकाश श्रीवास्तव ने शहर के एक पंचसितारा होटल में आयोजित 31वें सीआईआई-उत्कृष्टता शिखर सम्मेलन में यह सम्मान मिला। यह विशिष्ट मान्यता एक टीम द्वारा किए गए गहन मूल्यांकन के आधार पर प्रदान की गई।

जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के युवा सदस्य जरुरतमंद लोगों को बांटेगें एक हजार कम्बल

बाबूलाल रांका परिवार ने प्रायोजित किए कम्बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस कर्नाटक युवा शाखा मानवसेवा अभियान के तहत बेंगलूरु, मैसूरु, हुब्बल्ली, रामनगर, दोड्डबालापुर, अरसीकेरे, बाणावर, केजीएफ, चामराजनगर, टीपटूर, कलबुर्गी, शिव्वमोग्गा आदि क्षेत्र में एक हजार जरुरतंमदों को कम्बल वितरण करेगी जिसका शुभारंभ कार्यक्रम गणेशबाग से हुआ। हजार कम्बल वितरण का लाभ बाबूलाल अशोकुमार रांका परिवार ने लिया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ, प्रांतीय युवा अध्यक्ष विकास कोठारी ने सबका स्वागत किया एवं कंबल वितरण कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। इस मौके पर दानताता बाबूलाल रांका, युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पदम आच्छा, महामंत्री प्रमोद सियघवी आदि ने युवाओं का हौंसला बढ़ाया।

गणेशबाग संघ से सुदर्शन मांडोत, राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष भरत कोठारी, मानव सेवा योजना युवाअध्यक्ष राकेश संचेती,युवा अध्यक्ष विकास कोठारी, युवा प्रमुख मार्गदर्शक सुनील लोढ़ा, महामंत्री मनोज बोहरा, कोषाध्यक्ष आशीष भंसाली, वैयावच्च योजना के प्रांतीय मंत्री प्रकाश बोहर आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे। प्रांतीय युवा महामंत्री मनोज बोहरा ने सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात युवाओं ने अलग अलग टीम बनाकर बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों में कंबल वितरण किए।

कन्नड़ राज्योत्सव पर किया अन्नदान व रक्तदान शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की हिंदू युवा सेना एवं हिंदू जय भीम सेना द्वारा विजयनगर में कर्नाटक राज्योत्सव मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने ध्वजारोहण कर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। मुणोत ने कहा कि कन्नड़ भाषा का इतिहास 2000 वर्षों से भी पहले का है। रामायण एवं महाभारत में कर्नाटक के ऐतिहासिक स्थलों का उल्लेख मिलता है। हमें अपनी संस्कृति एवं भाषा पर गर्व है। संस्था की तरफ से अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिससे सैकड़ों लोग लाभान्वित हुए एवं रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। सेना के अविनाश, शिवकुमार, शशि एवं दर्शन ने अतिथियों को सम्मानित किया।

अनावश्यक चीजों व कार्य से बचना चाहिए : मुनिश्री मेरुपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागरजी ने प्रवचन में कहा कि आपको हर उस चीज से दूर रहना चाहिए जिसका आपके लिए कोई महत्व नहीं है, क्योंकि आपके पास सीमित समय है। उन्हीं चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए जो आपके हाथ में हैं। दूसरी चीजों को नियंत्रित करने के चक्कर में मूड और समय खराब न करें। फोकस करने के लिए सबसे, पहले अपने लक्ष्य को जान लेना चाहिए। अगर आपको जीवन में आगे बढ़कर ध्येय की प्राप्त करना है तो स्वयं में अच्छी आदतें डाले। स्वयं के प्रति सदा ईमानदार रहें और लगातार कुछ न कुछ सीखते रहे और नैतिकता, ईमानदारी-विश्वसनीयता,परोपकारिता को शामिल करें। दान वो देना चाहिए जिसमे देने और लेने वाले का भला हो जाए। देने वाले और लेने वाले के चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाए ।

छात्रा मायरा ने श्रीलंका में आयोजित 'आईआईजीएफ' नृत्य प्रतियोगिता में चमक बिखेरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा स्थित ग्रीनवुड हाईस्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा मायरा शर्मा ने वैश्विक नृत्य कार्यक्रम इंडिया इंटरनेशनल ग्रूवफेस्ट (आईआईजीएफ) में अपना जलवा बिखेरा। मायरा डांस ग्रुप 'अस्तित्व' का हिस्सा थी, जिसने हाल ही में आयोजित भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नृत्य समारोह की बेहद प्रतिस्पर्धी फ्री-स्टाइल श्रेणी में प्रभावशाली तीसरा स्थान हासिल किया था।

श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के 500 से अधिक नर्तकों ने भाग लिया। मायरा शर्मा ने कहा कि हमने कड़ी प्रैक्टिस की और सावधानी से अपने डांस फॉर्म पर ध्यान केंद्रित किया। हम भविष्य में कई और प्रतियोगिताओं में भाग लेने की योजना बना रहे हैं। स्कूल की ट्रस्टी नीरू अग्रवाल ने कहा कि यह गर्व की बात है कि हमारे विद्यार्थी ने एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लिया और उच्च स्थान हासिल किया। हमें उम्मीद है कि अन्य विद्यार्थी भी मायरा का अनुकरण करेंगे।

जरुरतमंद बच्चों की मुफ्त आर्थोपेडिक सर्जरी करेगा रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल 'मिशन प्रगति' पहल के दूसरे संस्करण के तहत जरुरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक चिकित्सा शिविर का आयोजन कर रहा है। है। चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. जयंत संपत, डॉ. गिरीश कुमार और डॉ. अभिलाष श्रीवास्तव के नेतृत्व में शिविर 4 से 6 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य बच्चों के जीवन में सुधार लाना है।

कर्नाटक में आर्थिक बाधाओं के कारण बच्चों को आर्थोपेडिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। मारतहल्ली स्थित अस्पताल में इस शिविर में निःशुल्क परामर्श, सर्जरी और व्यापक देखभाल की सुविधा दी जाएगी।

परमात्मा की कृपा से ही मिलती है विहार सेवा : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तुमकूर रोड स्थित तरकेरे के आदिसंस्कार धाम में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि विहार सेवा कर्म काटने का माध्यम है। विहार सेवा आपके मन को विनम्र बनाती है तन को चुस्त रखती है। मन में स्थिरता का माहौल पैदा करती है। विहार सेवा खुशी है, सेवा विश्वास है। निस्वार्थ विहार सेवा,जीवन में सुख शांति लाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। विहार सेवा प्यार है। बड़े भाग्यशाली हैं वो लोग जिन्हें,विहार सेवा का मौका मिलता है, क्योंकि विहार सेवा भी उसी को मिलती है जिन पर परमात्मा की कृपा होती है।

साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि मोक्ष की मंजिल पानी है तो सुधारनी होगी जीवन की गति। परमात्मा का नाम लेने से सिद्ध हो जाते जीवन के सारे मनोरथ। हमारा जीवन सही गति में चलने पर ही हम अपनी मंजिल यानी मोक्ष की प्राप्ति कर सकते है। जब तक हमारे जीवन की गति सहीं नहीं होगी हम मंजिल तक नहीं पहुंच पाएंगे। हमारी गति सुधारने के लिए हमें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा प्राप्त करनी होगी। जीवन में प्रेरणा देने वाले सही मिल जाए तो जीवात्मा जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होकर अंतिम लक्ष्य को हासिल करती है। पारस भंसाली ने बताया कि सुनील कुंकुलोल,शारदा चौधरी, पुष्पा बोहरा ने विहार सेवा मे लाभ लिया। साध्वीवृंद श्री चंद्रप्रभ गौशाला बुद्धियाल का दौरा किया तथा मांगलिक प्रदान की।

भारतीय संस्कृति, पहचान को अपमानित करने की साजिश रच रही है कांग्रेस : ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह चुनावों में अपनी हार के कारणों का विश्लेषण करने के बजाय भारतीय संस्कृति और पहचान को अपमानित करने की साजिश रच रही है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और आश्चर्य जताया कि क्या उत्तर-दक्षिण विभाजन पर टिप्पणी, उत्तर भारत को 'गौमूत्र राज्य' के रूप में संदर्भित करना और सनातन धर्म की आलोचना को उनकी मंजूरी थी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश फैला रहे हैं लेकिन विपक्ष ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है और राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में अपनी हार के लिए ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) और क्षेत्रवाद को जिम्मेदार ठहरा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं में विश्वास नहीं करती। हार का सामना करने के बाद, वे कभी भी हार के कारण का विश्लेषण नहीं करते हैं। वे ईवीएम को दोष देते रहते हैं और सनातन धर्म, हिंदुओं और हिंदू संस्कृति का अपमान करते हैं।''

उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने जातिवाद और धर्म के मुद्दे उठाए और जब यह काम नहीं आया तो वह अब उत्तर-दक्षिण विभाजन का सहारा ले रही है।

ठाकुर ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस नीत घमंडिया गठबंधन हिंदू, हिंदी और सनातन धर्म का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।''

केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के लोकसभा सदस्य डीएनवी सेंथिल कुमार के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने हिंदी भाषी राज्यों को 'गोमूत्र' क्षेत्र कहा था।ठाकुर ने आश्चर्य जताते हुए कहा, ''हिंदी, हिंदुओं और सनातन धर्म का अपमान करने वाली द्रमुक के साथ रहने की कांग्रेस की क्या मजबूरी है।''

मंत्री ने याद दिलाया कि तेलंगाना के मनोनीत मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भी टिप्पणी की थी कि उनका 'तेलंगाना डीएनए' उनके प्रतिद्वंद्वियों के 'बिहार डीएनए' से बेहतर है। ठाकुर ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि ने भी सनातन धर्म का अपमान करने वाली टिप्पणी की थी।

ठाकुर ने दावा किया कि उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देने का चलन 2019 में अमेठी से लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी की हार के साथ शुरू हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अमेठी में अपनी चुनावी हार के बाद अपनी लोकसभा सीट वायनाड में उत्तर भारतीयों को नीचा दिखाने वाले कुछ बयान दिए थे। उन्होंने कहा, ''हमने तब कहा था कि कोई टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़ा है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर राज्यपाल ने अंबेडकर प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बुधवार को भारतरत्न बाबासाहब अम्बेडकर के 67वें 'महापरिनिर्वाण दिवस' के अवसर पर राजभवन में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने प्रख्यात समाज सुधारक और भारतीय संविधान के वास्तुकार डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। राजभवन के परिसर में डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई, जो राष्ट्र के लिए दूरदर्शी नेता के स्थायी योगदान के प्रति चिंतन और श्रद्धा का एक मार्मिक क्षण रहा।

एयर मार्शल विभास पांडे ने वायु सेना स्टेशन उपकरण डिपो का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायु सेना मुख्यालय रखरखाब कमान, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल विभास पांडे स्थानीय वायु सेना स्टेशन के उपकरण डिपो का दौरा किया।

एयर मार्शल ने डिपो परिसर में मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट (एमएचई) शेड का उद्घाटन किया। एओसी ने डिपो के विभिन्न कार्यात्मक पहलुओं के बारे में जानकारी दी। एयर मार्शल ने एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) की साइटों का भी दौरा किया।

उन्होंने मुख्यालय रखरखाव कमान के 'गोग्रीन' अभियान के तहत डिपो परिसर में वृक्षारोपण किया। डिपोकर्मियों के साथ बातचीत के दौरान, एयर मार्शल ने उनके प्रयासों की सराहना की और उनसे मानकों को बनाए रखने और उत्कृष्टता के साथ उक्त लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने वायु सेना कर्मियों के घरेलू शिविर गगन विहार का भी दौरा किया और डिपो की विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों,परियोजनाओं की समीक्षा की।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com